आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
22.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.13
सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 265, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

नीट-यूजी काउंसलिंग में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक ने संशोधित समय सारिणी वेबसाइट पर की अपलोड

अमृत विचार : नीट यूजी-2025 की तीसरी काउंसलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुनः संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। तत्पश्चात अगले दिन 30 अक्टूबर से संबन्धित कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी, जिसे 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण करनी होगी। मालूम हो कि छह अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी काउंसिलिंग में अभी तक 24 अक्टूबर तक ही प्राथमिकताएं देनी थीं, जिसके बढ़ा दिया गया है।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

कुरनूल में हुआ हादसा, बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग, 40 यात्री थे सवार

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया अनुग्रह राशि की घोषणा की

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी।

हादसे के बाद जली बस।

शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा हो गया था जाम

पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर जीवित बचे लोगों की उम्र 25 से 35 साल के बीच है। जिला कलेक्टर ए. सिरी ने बताया कि बस में 41 लोग सवार थे, जिनमें चालक भी शामिल था। बस में सवार 41 लोगों में से 21 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में बच गए लोगों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि कई यात्री इस हादसे के बाद बस से बाहर नहीं निकल पाये क्योंकि यह हादसा रात में हुआ जब वे सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बस का दरवाजा तुरंत नहीं खुला क्योंकि कुछ तार कट गए थे, जिससे हादसे की गंभीरता और बढ़ गई। सिरी ने बताया कि अधिकतर यात्री हैदराबाद के थे। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि बस पड़ोसी राज्य तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी।

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली,1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

तानाशाही भरा फरमान

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

अमृत विचारः मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया। अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

> मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
> – **कुमार रणविजय सिंह,** एसपी सिटी मुरादाबाद

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद, राजधानी को दहलाने की थी साजिश

दिल्ली और मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है। आतंकी राष्ट्रीय राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दोनों त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमले करने की तैयारी में थे। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। दोनों आईएसआईएस का प्रचार करने और संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया पर एक नेटवर्क चला रहे थे।

'अबकी बार, मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवाड्र्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

सुखद अहसास | मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा– इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काऊंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

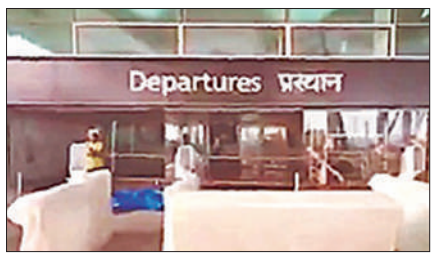

मोदी-योगी करेंगे शुभारंभ, फिर 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके बाद ही शुभारंभ की नई संभावित तिथि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक घोषित होने का अनुमान है।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी, अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

यूपी पहुंची भाजपा की गुरु चरण यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा द्वारा नई दिल्ली से 23 अक्टूबर को शुरू हुई 'गुरु चरण यात्रा–पवित्र जोड़ा साहिब' अब उत्तर प्रदेश में दस्तक दे चुकी है। शुक्रवार को मथुरा से आगरा पहुंची। इस यात्रा में सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़े की निशानी को पूरे सम्मान के साथ लेकर चला जा रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य गुरु परंपरा के आदर्शों, धार्मिक समरसता और सामाजिक एकता का संदेश देना बताया जा रहा है। यात्रा मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, एटा, बदायूं, बरेली, शाहजहांपुर, लखीमपुर, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, फतेहपुर, कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी समेत 16 जिलों से होकर सासाराम (बिहार) जाएगी। हर पड़ाव पर धार्मिक सभाएं, संत संवाद और स्वागत कार्यक्रम होंगे। हालांकि यात्रा को आध्यात्मिक बताया जा रहा है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे चुनाव की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भत्ते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन

लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

ग्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में ग्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

न्यूज ब्रीफ

श्री रामचरितमानस सम्मेलन का शुभारंभ

अमृत विचार, बाराबंकी : ब्रह्मलीन बाबा प्रेमदास जी की कुटी पर महंत श्री लालता दास जी महाराज के निर्देशन में 10 दिवसीय श्री रामचरितमानस सम्मेलन एवं महायज्ञ का प्रथम दिन आयोजित हुआ। मानस मर्मज्ञ अजय शास्त्री ने कहा कि श्री रामचरितमानस की प्रत्येक चौपाई में जीवन की सीख और कल्याण का महामंत्र है। सम्मेलन में अयोध्या धाम से पधारे बाबा दीनबंधु जी महाराज और मानस मर्मज्ञ तरंग जी महाराज ने रामचरितमानस के महत्व पर प्रकाश डाला। भक्तजन पन्नालाल द्वारा गाए गए भजनों पर झूम उठे। कार्यक्रम में महंत लालता दास जी महाराज, महंत राम तीरथ दास जी महाराज, अजय शास्त्री, अभय नाथ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं का जत्था दरियाबाद पहुंचा

अमृत विचार, बाराबंकी : महाराष्ट्र के बीड़ जिले स्थित श्री संत जगतगुरु तुकाराम महाराज वारकरी गुरुकुल तपोभूमि वागद्रा द्वारा आयोजित 84 कोसी परिक्रमा का जत्था शुक्रवार शाम दरियाबाद पहुंचा। नेतृत्व संत सत्यवान महाराज कर रहे हैं, जिनके साथ लगभग 50 भक्त शामिल हैं। परिक्रमा अयोध्या के मखौड़ा धाम से 19 अक्टूबर को शुरू हुई थी और गुरुवार को मैरामउ में विश्राम के बाद शुक्रवार को दरियाबाद पहुंची।

पराली जलाने पर किसान पर जुर्माना

अमृत विचार, बाराबंकी : करामातपुरवा मजरे मेलरायगंज में नायब तहसीलदार अन्नू सिंह ने खेत में पराली जलाते पाए गए शिवबालक से पांच हजार का जुर्माना वसूला। नायब तहसीलदार ने अन्य किसानों से अपील की कि वे पराली न जलाएं।

नेत्रहीन किशोर अचानक लापता

अमृत विचार, बाराबंकी : थाना कुर्सी क्षेत्र में एक नेत्रहीन किशोर अचानक लापता हो गया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। कस्बा निवासी बाईसुन निशां ने पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र मो. तौहीद पुत्र मो. शब्बीर 21 अक्टूबर को घर से देवां रोड की ओर गया था और तब से लापता है। बताया कि उन्होंने अपने बेटे की घर और आस-पास काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

पैर फिसलने से आंगन में गिरी महिला, मौत

अमृत विचार, बाराबंकी : जीने से उतरते समय पैर फिसलने से महिला आंगन में जा गिरी। गंभीर रूप से घायल महिला को सीएचसी में मृत घोषित कर दिया गया। सतरिख थाना के सलारपुर गांव निवासी राजेश्वरी देवी (40) पत्नी स्व. अनूप शुक्रवार की सुबह छत से जीने से उतर रही थीं इसी दौरान उनका पैर फिसल गया जिससे वह आंगन में बंधे तार पर गिर पड़ी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल को सीएचसी ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

ग्रामीणों ने दिया धरना

अमृत विचार, बाराबंकी : थाना अंसद्रा क्षेत्र के ग्राम पूरे ऊंचे मजरे टांडा में रास्ता खुलवाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को धरना शुरू किया। मौके पर क्षेत्रीय लेखपाल संदीप, राजस्व निरीक्षक रंजीकांत बाजपेयी, धनंजय पांडेय और थाना अंसद्रा के उपनिरीक्षक अमित कौशल पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन समाधान न निकलने पर धरना जारी है।

वाराणसी में 75 एकड़ में बनेगा टेक्सटाइल पार्क : राकेश सचान

कहा, बुनकरों की कारीगरी को संरक्षित करने व इसे आगे बढ़ाने को सरकार प्रतिबद्ध

वाराणसी, एजेंसी

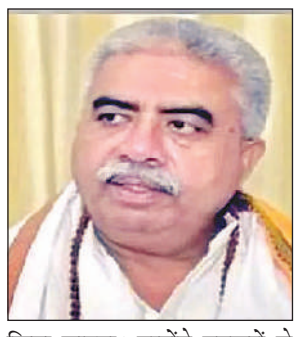

प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान और मंत्री रविंद्र जायसवाल ने शुक्रवार को कमिश्नरी सभागार में अटल बिहारी वाजपेयी पावरलूम बुनकर विद्युत फ्लैट रेट योजनांतर्गत अनुमन्य वित्तीय सुविधाओं पर बैठक की। इस दौरान सचान ने घोषणा की कि जनपद के रमना में 75 एकड़ में टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जाएगा।

सचान ने बुनकरों को संबोधित करते हुए कहा कि इस बैठक का उद्देश्य बुनकरों की प्रगति और कल्याण है। उन्होंने कहा कि बुनकरों की कारीगरी को संरक्षित करने और इसे आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए नई तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बुनकरों से सौर ऊर्जा अपनाने की अपील करते हुए कहा कि सोलर पैनल लगाने पर सरकार भारी सब्सिडी प्रदान कर रही है। साथ ही, उन्होंने आश्वासन दिया कि टेक्सटाइल पार्क के निर्माण के लिए कार्य प्रगति पर है और बुनकरों की मांगों के अनुरूप उचित सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार बुनकरों के साथ हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर है और उनके सुझावों पर सर्वसम्मति से अमल किया जाएगा। बैठक में बुनकर प्रतिनिधियों ने विद्युत सब्सिडी की मांग के साथ-साथ वस्त्रोद्योग की बेहतरी और बुनकरों की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। अपर मुख्य सचिव अनिल सागर ने बताया कि पावरलूम, हथकरघा आदि के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग चार लाख बुनकर हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत से अधिक विद्युत सब्सिडी का लाभ उठा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, बुनकरों को प्रतिवर्ष लगभग 900 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बुनकरों को सौर ऊर्जा की ओर बढ़ने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे उनके विद्युत बिल में कमी आएगी। साथ ही, आधुनिक मशीनें उपलब्ध कराने की बात भी कही। मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार बुनकरों की भलाई के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि बनारसी साड़ी ने विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त की है, जिसका श्रेय बनारस के बुनकरों को जाता है। प्रधानमंत्री ने बनारस को निफ्ट सेंटर का उपहार दिया है, जिससे बुनकरों के बच्चे नई तकनीकों को सीख सकेंगे। टेक्सटाइल पार्क के निर्माण से इस उद्योग को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बुनकरों से नई तकनीकों और मशीनों का उपयोग कर अपने कारोबार को विस्तार देने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि स्वदेशी को अपनाने से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बनारसी साड़ी इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बुनकरों को पलायन नहीं करना पड़ेगा और उन्हें यहीं सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे अपने उद्यम को पुनः स्थापित कर सकें।

आजम की फोटो पर कालिख पोतने के मामले में आठ पर रिपोर्ट दर्ज

बस्ती, एजेंसी: बस्ती जिले के पुरानी थाना क्षेत्र की पुलिस ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोहम्मद आजम खान के चित्र पर कालिख पोतने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

निर्मलीकुण्ड मंदिर के समीप सपा विधायक महेंद्र नाथ यादव द्वारा लगाये गये दीपावली की बधाई सन्देश की होर्डिंग में आजम खां की फोटो पर कुछ व्यक्तियों ने कालिख पोत दिया था। पुलिस सूत्रो ने शुक्रवार को बताया कि सपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष विपिन कुमार त्रिपाठी ने पुरानी बस्ती थाने मे तहरीर देकर कहा कि प्रमोद पाण्डेय, आशीष गुप्ता, नरेन्द्र दुबे, विवेक बघेल तथा चार अन्य ने निर्मली कुण्ड मन्दिर के समीप सपा की होर्डिंग में आजम खां की फोटो पर कालिख पोत दिया। तहरीर के आधार पर चार नामजद तथा चार अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वजूखाने के ताले पर फटा कपड़ा बदलने को दोनों पक्ष सहमत

वाराणसी, एजेंसी

ज्ञानवापी विवाद

ज्ञानवापी विवाद से जुड़े हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने मस्जिद परिसर में सीलबंद 'वजूखाने' के ताले पर बंधे कपड़े को बदलने पर मौखिक रूप से सहमति व्यक्त की है। अधिकारियों ने बताया कि 'वजूखाने' के ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है। ज्ञानवापी विवाद से जुड़ा मुकदमा अदालत में है।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश मिश्रा ने बताया कि वाराणसी जिला न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 29 अक्टूबर तय की है। मिश्रा ने बताया कि अदालत ने कहा हालांकि, अगर दोनों पक्ष सहमत हो तो ताले पर लगे कपड़े को बदला जा सकता है। सर्वेक्षण के दौरान दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ खंड) व सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद विवादित ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना क्षेत्र को 16-17 मई, 2022 को सील कर दिया गया था।

बताया कि ताले पर बंधा कपड़ा समय के साथ फट और घिस गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हिंदू पक्ष ने इस वर्ष आठ अगस्त को एक याचिका दायर कर इसे बदलने की अनुमति मांगी थी।

जालौन में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को मिली स्वीकृति

जालौन, एजेंसी

जालौन के विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी शैक्षिक उपलब्धि के रूप में सरकार ने केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने इस संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विद्यालय संचालन की तैयारियों की रूपरेखा तय की। जिलाधिकारी ने बताया कि विद्यालय के भवन निर्माण कार्य के पूर्ण होने तक नवीन अनाज मंडी, कालपी रोड स्थित भवन को अस्थायी रूप से विद्यालय संचालन के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का संचालन फरवरी 2026 से अस्थायी रूप में प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जिले के विद्यार्थियों को अब राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही जनपद में प्राप्त होगी। इससे विद्यार्थियों को अन्य जिलों या महानगरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि विद्यालय संचालन के लिए आवश्यक सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक, मंडी सचिव उरई, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, अधिशासी अभियंता आरईएस, अधिशासी अभियंता विद्युत, एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि भवन, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा, और फर्नीचर जैसी मूलभूत सुविधाएं समय रहते उपलब्ध कराई जाएं, ताकि विद्यालय संचालन में कोई बाधा न आए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि तैयारियों की पाक्षिक समीक्षा (फोर्टनाइट मॉनिटरिंग) की जाए ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

सूर्यास्त के समय ताजमहल का नयनाभिराम दृश्य।

युवाओं को रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता

लखनऊ, एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ना केंद्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भी रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

अनुप्रिया पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में कौशल विकास और रोजगार सृजन को लेकर अनेक योजनाएं प्रभावी रूप से जारी हैं।

अनुप्रिया ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिए मंत्र "नागरिक देवो भवः" को लेकर चलना चाहिए। क्योंकि ये सरकारी नौकरी सिर्फ रोजगार नहीं बल्कि देश निर्माण में योगदान का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि इस सरकारी नौकरी को पाने के बाद आप सभी यह प्रयास करें कि देश का कोई भी नागरिक अगर आपके पास आता है तो उसकी अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से आप पूरा कर सके क्योंकि हम सभी नागरिकों को बेहतर सेवाएं देकर ही अपने काम में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। बयान के मुताबिक, इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 300 से अधिक प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जिनमें से 25 प्रतिभागियों को केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने नियुक्ति पत्र सौंपे। केंद्रीय मंत्री ने उल्लेख किया कि विश्व के कार्यबल में भविष्य में लगभग 24 प्रतिशत की हिस्सेदारी भारत के युवाओं की होगी।

उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार द्वारा इस रोजगार मेले की श्रृंखला को प्रारंभ किया था तो 10 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था।

खड़े कंटेनर से टकराई बस, चार यात्री गंभीर

कुशीनगर, एजेंसी

कुशीनगर जिले में देर रात एक राजमार्ग पर एक बस के सड़क किनारे खड़े कंटेनर से टकराने की दुर्घटना में चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि बस गुरुग्राम से बिहार जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, इस घटना में एक महिला का पैर और एक नाबालिग का हाथ कट गया।

पुलिस ने बताया कि हाटा स्थित सामूहिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद चार यात्रियों की गंभीर हालत होने की वजह से गोरखपुर के मेडिकल कालेज एवं अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना थरूआडीह के पास की है, जहां बस सड़क किनारे खड़े कंटेनर से जा टकराई। पुलिस ने बताया कि बस में लगभग 100 यात्री सवार थे और वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गये। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार बिहार के मोतीहारी की रहने वाली पुष्पा (45) का दाहिना पैर कट गया जबकि बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली खुशी (16) ने इस दुर्घटना में अपना हाथ गंवा दिया। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में बिहार के दरभंगा की रहने वाली संगीता देवी (45) और मोतीहारी निवासी दिव्यांशु (12) को गंभीर चोट आई हैं। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना के बाद बस के चालक व खलासी फरार हो गये। पुलिस थान प्रभारी निरीक्षक रामसहाय चौहान ने बताया कि दुर्घटना के बाद घायलों को अस्पताल भेज दिया गया और बस व कंटेनर को कब्जे में ले लिया गया।

ऑनलाइन जॉब के नाम पर युवती से ठगी

संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : साइबर ठगों ने एक युवती को पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर 1.80 लाख रुपये हड़प लिए। मामला साइबर क्राइम थाना में दर्ज कराया गया है। टीम ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

ग्राम नानमऊ निवासी नेहा पटेल ने बताया कि 7 सितंबर को उनके मोबाइल पर एक व्हाट्सएप संदेश आया जिसमें पार्ट टाइम जॉब का ऑफर दिया गया। संदेश भेजने वाले ने उन्हे रिया से टेलीग्राम पर संपर्क करने को कहा। रिया ने नेहा को होटल और रेस्टोरेंट की ऑनलाइन रिव्यू करने का काम बताया और प्रति रिव्यू 50 रुपये देने का वादा किया। आरोपी ने बिटफोएक्स नामक ऐप पर अकाउंट बनवाया और अधिक कमाई के नाम पर पैसे निवेश करने को कहा। शिकायतकर्ता के अनुसार, ठग के बताए अनुसार कुल 7000 रुपये आनलाइन भेजे, जिसके बाद आरोपी ने झांसा देकर धीरे-धीरे करीब 1,80,000 रुपये हड़प लिए। नेहा पटेल ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज की है।

ट्रेन से गिरकर एमपी के युवक की मौत

बाराबंकी: अमृत विचार : शुक्रवार दोपहर करमुल्लापुर के निकट एक 35 वर्षीय युवक की ट्रेन से गिर कर मौत हो गयी। शव के पास मिले आधार कार्ड से पहचान की गई। शुक्रवार की दोपहर करीब एक बजे दून एक्सप्रेस से एक 35 वर्षीय युवक ट्रेन से गिरकर कट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जामा तलाशी ली तो जेब में मिले आधार कार्ड के अनुसार शव की पहचान मध्य प्रदेश के जिला सिंगरौली में अमहा टोला सरांय निवासी प्रशांत कुमार गुप्ता पुत्र राम नारायण गुप्ता के रूप में हुई।

बेटी से दुष्कर्म की घटना से आहत पिता ने किया आत्महत्या

देवरिया, एजेंसी

देवरिया जिले में छह वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म की घटना से आहत उसके पिता ने शुक्रवार सुबह बंद कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, खुखुंदू थानाक्षेत्र का रहने वाला व्यक्ति अपनी बेटी सहित एक दोस्त के साथ किराए के एक मकान में पिछले दो माह से रह रहा था। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात को तीनों लोग सोए हुए थे और ऐसा आरोप है कि व्यक्ति के दोस्त ने सोते समय बच्ची से दुष्कर्म किया और इस बीच उसकी नींद खुल गई। पुलिस के मुताबिक, यह देख उसने आरोपी पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का उपचार गोरखपुर स्थित बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जारी है।

एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने घटना के संबंध में व्यक्ति को बृहस्पतिवार शाम थाने बुलाया था और शुक्रवार सुबह उसने अपनी बेटी को बाहर बैठाकर कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) दिनेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्रथम दृट्या प्रतीत होता है कि बेटी से दुष्कर्म की घटना से आहत होने के कारण व्यक्ति ने यह कदम उठाया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और मामले की जांच जारी है।

प्रयागराज में युवक ने की पत्नी की हत्या

- प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज जिले के हंडिया क्षेत्र में अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपनी पत्नी की पीट- पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि गंगापार इलाके के हंडिया क्षेत्र निवासी रोहित ने शुक्रवार को अपनी पत्नी खुशबू को पीट-पीटकर मार डाला। युवक ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और लोहे के राड से पत्नी को पीटने लगा। चीख पुकार सुनकर परिवार और आसपास के लोग दौड़े। लोग चिल्लाते रहे, और दरवाजा पीटते रहे लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। पत्नी खून से लथपथ होकर गिर गई तब भी आरोपी वहीं बैठा रहा। करीब एक घंटे बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया। इसके बाद महिला को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। लोहे की रॉड को पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अभी तक की पूछताछ से साफ हुआ है कि वह पत्नी के चरित्र पर शक करता था। पति को शक था कि उसकी पत्नी का ससुर के साथ अवैध संबंध है। खुशबू के पिता शोभनाथ का आरोप है कि इससे पहले भी उनका दामाद हत्या की कोशिश कर चुका था।

हिस्ट्रीशीटर ने चाकू से गला रेत की सौतेली बेटी की हत्या

संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : स्थानीय कस्बे में गुरुवार को आधी रात हुई घटना ने सबको दहला दिया। शातिर अपराधी ने शक के फेर में चाकू से गला रेतकर सौतेली बेटी को मार डाला। उसकी चीख सुनकर जगे घर के बाकी सदस्यों को धमकी देकर चुप करा दिया। पुलिस ने कई मुकदमों के आरोपी व हाल में जेल से छूटकर आए हत्यारे पिता को गिरफ्तार कर लिया है। सूचना पर एसपी भी रात में घटनास्थल पहुंचे।

घटना मोहल्ला जमाल कमाल तकिया में गुरुवार की आधी रात को हुई। बताया जा रहा कि रात जुबैदा अपने पति के साथ छत पर सोई थी, जबकि नीचे कमरे में बेटी जोया और उसकी तीन सौतेली बहनें चंदा, सोनम, खुशबू सो रही थीं। आधी रात के करीब नशे में धुत हफीजउल्ला नीचे आया और सो रही जोया का चाकू से गला रेत दिया। चीख सुनकर जगी तीनों बेटियों ने मृत जोया व पिता को खून से सने चाकू के साथ देखा तो रोने लगीं। हफीजउल्ला ने धमकाया कि अगर किसी से कुछ बताया तो वह उन्हे भी जान से मार देगा और पुलिस से कहना कि हत्या इम्तियाज ने की है। पास वाले कमरे में सो रहे आरोपी के पुत्र इम्तियाज के जागने पर शोर मचा और मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही देवा पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी अर्पित विजयवर्गीय भी रात में ही घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस ने आरोपी हफीजउल्ला को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा कि जोया की मां जुबैदा की पहली शादी रियाज के साथ हुई थी। दूसरी शादी जुबैदा ने हफीजउल्ला से की, जिससे तीन बेटियां हैं लेकिन मृतका जोया जुबैदा के पहले पति रियाज की पुत्री है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आरोपी पर कई मुकदमे दर्ज हैं और उसकी पुरानी गतिविधियों की जांच की जा रही है।

रोती-बिलखती मां व बहनें। ● अमृत विचार

● आरोपी गिरफ्तार, कई मुकदमे दर्ज, हाल ही में कारागार से हुआ था रिहा

जोया फाइल फोटो।

कुख्यात अपराधी है आरोपी हफीजउल्ला

जांच में सामने आया कि हफीजउल्ला कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उसके खिलाफ गोकशी समेत कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। कुछ समय पहले जहांगीराबाद और नगर कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जहां से वह हाल ही में छूटा था। घटना को लेकर स्पष्ट वजह सामने नहीं आ सकी है।

झोलाछाप ने की युवती से छेड़छाड़

अमृत विचार, बाराबंकी : एक गांव में झोलाछाप ने युवती से छेड़छाड़ की। उसकी हरकत पकड़ी गई तो युवती के भाई पर बाइक छीनने का आरोप मढ़ दिया। एक युवक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बहन से सर्वेश बातचीत कर रहा था। सर्वेश एक दुकान पर निजी क्लिनिक चलाता है। भाई के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम करीब 3 बजे उसकी बहन खेत पर गई थी, तभी सर्वेश वहां पहुंचा और उससे छेड़छाड़ की। जब उसके भाई मौके पर पहुंचे तो आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर भाग गया। बाद में आरोपी ने 112 नंबर पर झूठी सूचना देकर कहा कि उसकी मोटरसाइकिल छीनी गई है।

जमीन के विवाद में मारपीट, छह घायल

संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक विवादित जमीन को लेकर हिंसक झगड़ा हो गया। लाठी, ईंट पत्थरों से हुए हमले में करीब छह लोग घायल हो गए। मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई है।

क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी कुलदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि विवाद का आरंभ रामप्रताप की पत्नी सुन्दरा द्वारा जमीन पर दीपक जलाने से हुआ। जब कुलदीप की दादी अंजली ने इसे रोकने की कोशिश की, तो रामप्रताप, उसके पुत्र मनीष कुमार और अन्य रिश्तेदारों ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया।

थोड़ी देर बाद उनके घर वाले मौके पर पहुंचे तो विरोधियों ने उन्हें लाठियों और ईंट-पत्थरों से हमला किया। हमले में कुलदीप, उनके भाई संग्राम सिंह, बहन रोशनी, अन्य परिजन और गर्भवती चचेरी बहन पूजा सहित कई लोग घायल हो गए। घायल लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया।

अमृत विचार
लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आज जिले के भ्रमण पर रहेंगे प्रभारी मंत्री

उन्नाव, अमृत विचार। पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनीतिक पेंशन व जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह 25 अक्टूबर को 11 बजे भाजपा कार्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह पर आयोजित अभियान बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद वह निरीक्षण भवन लोक निर्माण विभाग में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से वार्ता करेंगे। विकास भवन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती समारोह के प्रबंधन के संबंध में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। फिर प्रेस वार्ता करने के बाद नवाबगंज में अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक अरुण सिंह की माता जी के निधन पर शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना देने जाएंगे।

पंखे में आ रहे करंट से किशोर झुलसा, रेफर

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। असोहा थानाक्षेत्र के मोहनी खेड़ा गांव निवासी सर्वेश परिवार के साथ शुक्रवार को धान काटने गया था। दोपहर को सभी घर वापस लौटे। तभी घर के बाहर लगा फर्राटा पंखा अचानक उसके 13 वर्षीय बेटे नरेंद्र ने छू लिया। पंखे में आ रहे करंट की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे आनन फानन परिजन एंबुलेंस से नवाबगंज सीएचसी ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दबंगों ने युवक को पीटा मामला दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। सहजनी के बाबा खेड़ा गांव निवासी अंकित रावत ने बताया कि वह गुरुवार शाम छह बजे सब्जी खरीदकर घर लौट रहा था। आरोप है कि निर्मल नगर के पास उसे सहजनी निवासी राज, नीरज, नितेश व फतेपुर निवासी विवेक ने रोक लिया और पुरानी खुन्नस को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। शोर सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोजगार मेला 28 अक्टूबर को

उन्नाव। जिला सेवायोजन अधिकारी ने कहा कि डीएसएन महाविद्यालय में 28 अक्टूबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 5 से 7 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। इसमें 18 से 35 आयु वर्ग के कक्षा 10 से स्नातक तक के अभ्यार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। साक्षात्कार के लिये अपने सभी शैक्षिक प्रमाणपत्र जरूर लाये और रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीयन कराना सुनिश्चित करें।

शिक्षकों के सुझाव से सुधारेंगे रैंकिंग

उन्नाव, अमृत विचार। प्रदेश में उन्नाव को अच्छी रैंकिंग मिले इसके लिए जिले के बीईओ के माध्यम से बेसिक स्कूलों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों से 2 से 5 तक सुझाव मांगे गए हैं। ताकि प्रदेश में जिले का नाम रोशन हो सके। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने कहा कि सुझाव विद्यान्जलि पोर्टल पर दिए जाने चाहिए ताकि शासन स्तर की समीक्षा बैठक में आपके द्वारा दिए गए सुझाव को समाहित किया जा सके।

विज्ञान मेला प्रदर्शनी 1 नवंबर को

उन्नाव, अमृत विचार। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में जिला स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन डीएसएन कॉलेज में 1 नवंबर को होगा। इसमें सांस्कृतिक कार्यकम व विज्ञान मेला प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। जानकारी देते हुए जिला युवा कल्याण अधिकारी ने कहा कि युवा उत्सव के अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह नृत्य, समूह गायन, कहानी लेखन, कविता लेखन, भाषण व पेंटिंग (चित्रकारी) आदि विधाओं की प्रतियोगिताएं करायी जायेंगी। इसमें प्रतिभाग करने वाले युवाओं की उम्र 1 सितम्बर 2025 को 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी अनिवार्य है।

सपा सांसद धरने पर, भाजपा जिलाध्यक्ष बोले घटना सच नहीं

पानी को यूरिन बता चटवाने के मामले में गर्माती जा रही राजनीति, अयोध्या के सांसद ने शहीद स्मारक पर 40 मिनट दिया धरना

- घटना को तूल देने में जुटे राजनैतिक दल, आरोपी अभी अस्पताल में भर्ती

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार: शीतला माता मंदिर में दलित बुजुर्ग रामपाल को पानी को यूरिन बताकर चटवाने के मामले में राजनीति कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद समर्थकों संग पीड़ित रामपाल के घर पहुंचे। हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उसके बाद आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर काकोरी शहीद स्मारक पर समर्थकों के साथ करीब 40 मिनट तक धरना देकर विरोध दर्ज कराया। उधर, भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्या प्रतिनिधि मंडल के साथ आरोपी के घर पहुंचे। अस्पताल में भर्ती भाई का हालचाल लिया। कहा कि घटना में कोई सच्चाई नहीं है।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि पुलिस ने अभी तक आरोपी को जेल नहीं भेजा। यह बेहद गलत है। कहा कि अंग्रेजों ने हम लोगों पर गोली चलाई, कोड़े बरसाए, लेकिन कभी पेशाब नहीं पिलाई। यूरिन चटवाने जैसा घिनौना कृत्य बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने पीड़ित रामपाल से कहा कि हम आपके साथ हैं। पीड़ित रामपाल से मिलने के बाद सांसद अवधेश प्रसाद ने इस घटना के विरोध में करीब 40 मिनट तक बाज नगर गांव स्थित काकोरी शहीद स्मारक पर धरना दिया। जिसमें सांसद के अलावा राज बाला रावत, सांसद प्रतिनिधि मोइन अहमद, राम नाथ, पार्षद प्रतिनिधि सनी रावत समेत अन्य कार्यकर्ता बाजनगर गांव स्थित काकोरी शहीद स्मारक पहुंचे। धरने पर बैठे सपा सांसद ने पुलिस-प्रशासन से आरोपी को जेल भेजने की मांग की।

वहीं, शुक्रवार को ही मंदिर संचालक के पक्ष से मिलने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष विजय मौर्य और पूर्व जिलाध्यक्ष राम निवास यादव पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई सच्चाई नहीं है। राजनैतिक दल और सोशल मीडिया के माध्यम से लोग मामले को तूल देने में लगे हैं। आरोपी स्वामीकांत गुप्ता उर्फ पम्मू का परिवार सम्मानित व्यापारी और सामाजिक व्यक्ति है। यह सिर्फ नगर में मंदिर पर असामाजिक तत्वों के कृत्यों का विरोध ही मुख्य विवाद है। इसके अलावा कुछ और नहीं है। उन्होंने सीएम से भी घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ताकि कोई निर्दोष पर कार्रवाई न हो।

मेडिकल रिपोर्ट पर मांगी राय, डॉक्टर बोले अभी रहेंगे भर्ती: एसीपी काकोरी शकील अहमद ने बताया कि आरोपी स्वामीकांत दिल का मरीज है। आरोपी का एमबी रिसर्च सेंटर अस्पताल से इलाज चल रहा है। डॉक्टरों से आरोपी की मेडिकल रिपोर्ट मंगवाकर विशेषज्ञों से राय ली गयी। जिसे देखकर विशेषज्ञों ने सलाह दी कि इलाज में अभी तीन-चार दिन और लगेगें। मरीज की हालत अभी सही नहीं है। चार दिन बाद कुछ टेस्ट होंगे। अगर रिपोर्ट नॉर्मल आयी तो मरीज को छुट्टी दी जा सकती है।

समर्थकों संग धरने पर बैठे अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद। अमृत विचार

पूर्व जिलाध्यक्ष ने फेसबुक पर लिखा, सपा सांसद और पूर्व चेयरमैन ने फंसाया

- पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने अपने फेसबुक पर लिखा कि मुख्यमंत्री जी, काकोरी के कथित पेशाब कांड की मैंने स्वयं जाकर जानकारी ली। किसी भी व्यक्ति ने नहीं कहा कि इस घटना में कोई सच्चाई है। घटना के कथित आरोपी 67 वर्षीय स्वामीकांत गुप्ता उर्फ पम्मू नगर के सम्मानित व्यापारी एवं सामाजिक व्यक्ति हैं। मंदिर पर असामाजिक तत्वों के असामाजिक कृत्यों का विरोध ही मुख्य विवाद है। इसी वजह से उन्हें स्थानीय सपा से जुड़ाव रखने वाले पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन और स्थानीय सांसद द्वारा अपने निजी स्वार्थ के कारण साजिश के तहत फंसाया है। कतई उचित नहीं है इससे जातीय एवं धार्मिक भावनाओं को भड़काकर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रहीं।

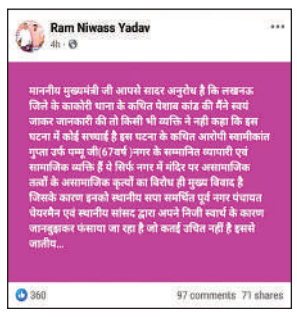

बंद कराई नौटंकी तो भुगतना पड़ा खामियाजा: कांग्रेस

- कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता डॉ. आशीष दीक्षित ने कहा कि वह सालों से मंदिर समिति से जुड़े हैं। पहले मंदिर में नौटंकी होती थी, जिसमें लोग फूहड़ता करते थे। स्वामीकांत और हम सबने समिति के माध्यम से विरोध कर नौटंकी का कार्यक्रम बंद करा दिया गया। इसी विद्वेष और राजनीति का शिकार स्वामीकांत हुए। उन्हें इसी कारण साजिश के तहत फंसाया गया। उन्होंने मंदिर परिसर में सीसी कैमरे लगवाने की मांग की है।

खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा उत्तर प्रदेश

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश आगामी राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा। ये प्रतियोगिताएं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर 11 नवम्बर से 24 दिसम्बर 2025 के बीच आयोजित होंगी। वर्ष 2025-26 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा आवंटित प्रतियोगिताओं की मेजबानी उत्तर प्रदेश करेगा। गत वर्ष एसजीएफआई ने प्रदेश को "बेस्ट आर्गेनाइजिंग यूनिट" का खिताब दिया था। देश भर के कोच और बालक-बालिकाएं इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस वर्ष पहली बार कुराश (जैकेट कुश्ती) की प्रतियोगिता भी शामिल की गई है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि प्रतियोगिताएं अंडर-14, 17 और 19 वर्ष के बच्चों के बीच आयोजित होंगी। प्रमुख स्थल और कार्यक्रम इस प्रकार हैं: बरेली: राजकीय इंटर कालेज, 11-15 नवम्बर – वॉलीबाल गोरखपुर: बीर बहादुर स्पोर्ट कालेज, 17-21 नवम्बर – कुश्ती (ग्रीकोरोमन) वाराणसी: डॉ. भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल, 19-21 नवम्बर – तीरंदाजी।

अलग-अलग स्थानों पर 3 लोगों ने दी जान

उन्नाव, अमृत विचार। अलग-अलग गावों में दो अधेड़ के शव पेड़ पर लटके मिलने से परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहीं एक युवक ने पत्नी से विवाद के बाद कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। जिनमें सभी की मौत हैंगिंग से होने की पुष्टि हुई है।

माखी थानाक्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव निवासी शिव भोला (55) पुत्र स्व. टीका खेती करता था। गुरुवार रात वह गांव के बाहर अपने खेत में खड़ी धान की फसल की रखवाली करने गया था। काफी समय बाद भी उसके न लौटने पर परिजन उसे तलाश करने खेत पहुंचे तो वह वहां

- घटना के बाद से परिजनों में मचा कोहराम

नहीं मिला। शुक्रवार सुबह पड़ोसी राजबहादुर अपने खेत गया तो वहां शिव भोला का शव आम के पेड़ में गमछे से लटका देख उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उसे नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। पति की मौत से पत्नी मंजू सहित बेटे बबलू, रवि करन, शशि करन व विवाहित बेटियां बेहाल हैं।

माखी के रुपऊ गांव निवासी प्रभु दयाल (55) पुत्र ठाकुर प्रसाद खेती करता था। वह जुएं का भी लती था। चर्चा है कि उस पर लोगों का काफी रुपया बकाया था। शुक्रवार सुबह घर से 50 मीटर आगे नीम के पेड़ पर उसका शव रस्सी के फंदे से लटका देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई।

पत्नी से मारपीट के बाद युवक ने की खुदकुशी

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के चमियानी गांव निवासी अमर सिंह (48) पुत्र छोटेलाल दिहाड़ी मजदूर था। गुरुवार को उसके पड़ोसी के यहां जन्मदिन की पार्टी थी। सभी लोग वहां गए थे। खाना खाकर वह लौट आया लेकिन पत्नी पिंकी काफी देर बाद लौटी। इसे लेकर दोनों में कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर पत्नी छत पर चली गई। इसी बीच अमर कमरा बंद कर साड़ी के फंदे से लटक गया। नीचे आई पत्नी ने दरवाजा बंद देख शोर मचाया। इस पर खिड़की तोड़कर उसे नीचे उतारकर सीएचसी लाया गया। जहां जांच के बाद डॉ. आदर्श सचान ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमो पर पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। अमर सिंह शराब का लती था। इससे उसकी पहली पत्नी रेखा उसे छोड़ गई थी। उससे एक बेटा आशीष था। जिसकी परवरिश दादी प्रभु देई ने की। दूसरी पत्नी पिंकी ने भी नशे अक्सर मारपीट करने की बात बताई। पिंकी के चार बच्चों में सोनम, रिंकी, लक्ष्मी व बेटा आयुष हैं। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि अस्पताल के मेमो पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

बिना विशेषज्ञ की सलाह हटाया वेंटिलेटर सपोर्ट, बच्ची की हालत बिगड़ी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दुबग्गा के एक निजी अस्पताल के स्टाफ की कथित लापरवाही से दो साल की बच्ची काव्या की हालत गंभीर हो गई। आरोप है कि बिना कुशल डॉक्टर के उसे वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया और बाद में हटाया गया। इससे बच्ची को रक्तस्राव होने लगा। परिजन हंगामा कर अस्पताल प्रशासन और सीएमओ से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हरदोई के थाना बघौली स्थित महमूदपुर गांव के संजीत अवस्थी की बेटी काव्या को बुखार के कारण

- दुबग्गा के निजी अस्पताल के स्टाफ पर लगा लापरवाही का आरोप
- पीड़ित परिवार ने सीएमओ से की शिकायत

जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया। निजी एंबुलेंस दलाल ने बेहतर और सस्ता इलाज का झांसा देकर 20 अक्टूबर को तुलसी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बच्ची की गंभीर हालत देख अस्पताल संचालक ने उसे श्री कृष्णा चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में भेजा। आरोप है कि वेंटिलेटर के नाम पर हर दिन 15 हजार रुपये लिए गए और कोई कुशल डॉक्टर मौजूद नहीं था। गुरुवार रात दूसरे बच्चे के आने पर बच्ची को वेंटिलेटर से हटाया गया, जिससे हालत बिगड़ी। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने जांच कराने की बात कही है।

बच्ची को रिकवरी के बाद वेंटिलेटर से हटाया गया था। दूसरे बच्चे की हालत नाजुक होने पर उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। हटने के 14 घंटे बाद हालत नाजुक हुई। आरोप बेबुनियाद हैं।

— डॉ. शरद गुप्ता, संचालक श्री कृष्णा चिल्ड्रेन हॉस्पिटल

सपा और कांग्रेस ने एक्स पर किया पोस्ट महिला वार्ड में गंदी बेड शीट देख सीएमओ खफा

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला श्रीनगर निवासी एक युवक द्वारा खुद पर पेट्रोल छिड़ककर वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। गुरुवार को वायरल हुए वीडियो का समाजवादी पार्टी मीडिया सेल ने संज्ञान लेते हुए अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया है। साथ ही भाजपा नेतृत्व व प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए पोस्ट में किशोर की पीड़ा को शासन में पीड़ितों की अनदेखी का परिणाम बताया।

वीडियो में युवक ने भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के एक जन प्रतिनिधि व उनके समर्थकों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। सपा मीडिया सेल की ओर से किए गए पोस्ट में कहा गया कि भाजपा नेता से परेशान होकर युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। आरोप यह भी लगाया गया कि भाजपा सरकार में पीड़ितों की कोई सुनवाई नहीं होती। उल्टे उन्हें ही दबाव में रखा जाता है। सपा ने इसे उत्तर प्रदेश में पीड़ितों की बढ़ती संख्या का उदाहरण कहा है। मामले पर कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार को घेरा।

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार। हाईवे स्थित सीएचसी पर अचानक सीएमओ के पहुंचने से कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी, इमरजेंसी, महिला वार्ड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, रखरखाव, वार्ड की पुताई आदि के बारे में निर्देश दिये। उनके साथ एनएचएम के टेक्निकल पार्टनर कम्युनिटी एंपावरमेंट लैब प्रतिनिधि बीरल शाह, सत्य प्रकाश शुक्ला, कृष्णा सिंह भी मौजूद रहे।

कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार दोपहर अचानक सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश पहुंचे तो कर्मियों में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने ओपीडी व इमर्जेंसी वार्ड का निरीक्षण कर मरीज को स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिये। इमरजेंसी में भर्ती मरीजों के तीमारदारों से इलाज संबंधी जानकारी ली। इसके बाद एसीएमओ डॉ. हरि नन्दन प्रसाद के साथ उन्होंने महिला वार्ड का निरीक्षण किया। जहां मौजूद स्टाफ नर्स से इस माह सीएचसी में प्रसव के लिए भर्ती हुई महिला मरीजों, प्रसव, डिस्चार्ज मरीजों आदि की जानकारी ली।

महिला वार्ड में गंदे बेडशीट देख नाराजगी जताई। मौजूद बीपीएम मलखान सिंह को वार्ड की दीवारों का रंग रोगन कराने व अन्य व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये। इस दौरान डॉ. अखिलेश विक्रम, डॉ. शैलेन्द्र अस्थाना, डॉ. जितेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट प्रदीप कुमार, विजय कुमार, स्टाफ नर्स दीपशिखा, कीर्ति आदि मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की गई जान

लोडर की टक्कर से महिला की मौत, बेटी व भतीजा गंभीर, मायके से लौटते समय हुआ हादसा

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। भैयादूज पर मायके गई महिला की तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से मौत हो गई। हादसे में उसकी बेटी व बाइक चला रहा भतीजा (बहन का बेटा) गंभीर घायल हो गए। जिनका अलग-अलग निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गदनखेड़ा निवासी विमला (42) पत्नी मोतीलाल गुरुवार को भैयादूज पर बेटी संध्या के साथ अजगैन कोतवाली क्षेत्र के बिचपरी गांव अपने मायके गई थी। जहां से रात होने पर लखनऊ के स्कूटर इंडिया निवासी बहन शिवप्यारी पत्नी मटरू का बेटा दीपक मां-बेटी को छोड़ने जा रहा था। तभी दही थानाक्षेत्र के वर्कशॉप मोड़ पर तेज रफ्तार लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से मां-बेटी व भतीजा गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं संध्या व दीपक को जिला अस्पताल से रेफर किया गया। दीपक को परिजनों ने लखनऊ व संध्या को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पत्नी की मौत से पति बेहाल रहा। वहीं मां की मौत से उसके 7 बच्चों में बेटियां नेहा, नगीता, विनीता, सीमा, प्रियांशी व बेटा रूपेश बेहाल हैं। एसओ अवनीश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मूक-बधिर की गई जान

उन्नाव। लखनऊ के बक्शी का तालाब थानाक्षेत्र के कठवारा गांव निवासी रामू सिंह (26) व पुत्र दिलीप मूकबधिर था। वह कई साल से कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित एक फैक्ट्री में श्रमिक था। गुरुवार देरशाम ड्यूटी के बाद दो साथियों के साथ वह बाइक से लौट रहे था। तभी सोहरामऊ थानाक्षेत्र के कानपुर-लखनऊ हाईवे स्थित बजेहरा मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें उसे गंभीर चोटें आ गईं। वहीं उसके साथी भी घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें नवाबगंज सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने रामू को मृत घोषित कर दिया। रामू तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। बड़े भाई शिवम ने बताया कि रामू की शादी अभी 6 माह पूर्व कानपुर निवासी अपूर्व से हुई थी। वह भी मूकबधिर है। इसकी खबर से वह व मां पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द किया है।

अनियंत्रित स्कूटी डिवाइडर से टकराई, एक की मौत

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व खड़ी स्कूटी। अमृत विचार

नवाबगंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रजवाखेड़ा गांव निवासी शिवम (45) पुत्र प्रेम सिंह थापा शुक्रवार को कानपुर के केडीए निवासी मित्र सोनू पुत्र भीम विश्वकर्मा के साथ स्कूटी से लखनऊ गया था। दोपहर में लौटते समय अजगैन कोतवाली अंतर्गत हाईवे पर चमरौली मोड के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसमें स्कूटी सवार दोनों युवक गंभीर घायल हो गये। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी नवाबगंज पहुंचाया। चिकित्सक ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शिवम पेशे से चालक था। जिसकी 3 वर्ष पहले शांति से शादी हुई थी। उसके एक बेटा अनिरुद्ध है। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

अब सीसीटीवी से लैस होगा गंगाघाट रेलवे स्टेशन

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग स्थित गंगाघाट रेलवे स्टेशन को अब सुरक्षा के तहत सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जा रहा है। स्टेशन परिसर व प्लेट फार्मों पर गतिविधियों की निगरानी के लिए यहां जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। शुक्रवार को कंपनी कर्मचारी स्टेशन पहुंचे और निरीक्षण कर तकनीकी सर्वेक्षण किया।

रेलटेल के माध्यम से स्टेशन पर कुल 8 हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए जाएंगे। इनकी मॉनिटरिंग उन्नाव से कंट्रोल रूम के जरिए की जाएगी। पूरे प्रोजेक्ट के तहत लगभग 1684 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी स्थापना का कार्य चल रहा है, जिसके लिए लगभग 330 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया है। गंगाघाट से लेकर मानक नगर तक कुल दस स्टेशनों पर कैमरे लगाए जाने हैं, जिनमें कुल 118 कैमरों की स्थापना की जाएगी। इस कार्य का ठेका शुभम कुमार साव की कंपनी को दिया गया है और शनिवार से इंस्टॉलेशन कार्य शुरू हो जाएगा।

जानकारी के अनुसार गंगाघाट स्टेशन पर दो कैमरे कानपुर पुल बायां किनारा बोर्ड के पास, दो कैमरे ऋषि नगर केबिन क्षेत्र में तथा चार कैमरे प्लेटफार्म और मुख्य यात्री क्षेत्र में लगाए जाएंगे। इन कैमरों का मुख्य फोकस ट्रेनों की आवाजाही और प्लेटफार्म की सुरक्षा पर रहेगा। रेलवे की मानें तो कैमरे लगने से सुरक्षा व्यवस्था और भी मजबूत होगी, साथ ही इसके जरिए असामाजिक तत्वों पर भी प्रभावी निगरानी रखी जा सकेगी।

सिटी ब्रीफ

श्रमिक पर्यवेक्षक की कार में मौत

अमृत विचार, हरदोई : पीडब्लयूडी में तैनात श्रमिक पर्यवेक्षक अपनी पत्नी, ससुर व भाई के साथ दवाई लेने लखनऊ गया हुआ था, वहीं से वापस लौट रहा था। सण्डीला पहुंचते ही तबीयत बिगड़ गई। उसे मेडिकल कालेज पहुंचाया जाता, लेकिन उससे पहले ही कार के अंदर ही मौत हो गई। बताया गया है कि टड़ियावां थाने के नयापुरवा निवासी 45 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र राजेंद्र प्रसाद पीडब्लयूडी में बतौर श्रमिक पर्यवेक्षक के पद पर कोयल बाग़ कालोनी (जेल रोड) स्थित स्टोर में तैनात था। अनिल कुमार बीमार था, उसका लखनऊ से इलाज चल रहा था। शुक्रवार को पत्नी रिंकी, ससुर राकेश और छोटे भाई अमित के साथ दवाई लेने कार से लखनऊ गया हुआ था, वहीं से वापसी हो रही थी।

हादसे में बाइक सवार की गई जान

अमृत विचार, हरदोई : बिल्हौर-कटरा हाई-वे पर इकनौरा ईंट-भट्ठे के पास बाजार से वापस लौट रहे बाइक सवार को तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह ज़ख्मी हो गया, उसे सीएचसी पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि हरपालपुर कोतवाली के निकारी निवासी कमलेश का 19 वर्षीय पुत्र विकास शुक्रवार की शाम को हरपालपुर की बाज़ार से देर शाम घर लौट रहा था। उसी बीच बिल्हौर-कटरा हाईवे पर इकनौरा ईंट-भट्ठे के पास सामने से आ रही तेज़ रफ्तार गाड़ी ने उसे ज़ोरदार टक्कर मार दी, जिससे विकास के सिर में गहरी चोट पहुंची। उसे एंबुलेंस से सीएचसी हरपालपुर पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

टेंट व्यवसायी की हादसे में मौत

अमृत विचार, हरदोई : भैया दूज वाले दिन पत्नी को ससुराल छोड़ कर बाइक से वापस लौट रहा टेंट व्यवसायी हादसे का शिकार हो गया, पुलिस ने उसे ज़ख्मी हालत में सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया, वहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफ़र कर दिया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि टड़ियावां थाने के हरसिंह पुर मजरा मनीपुर निवासी 50 वर्षीय शिवमंगल पत्नी रामकांती को उसके मायके छोड़ने गया था। गुरुवार की रात सीतापुर रोड पर गश्त कर रही पुलिस को बेनीगंज कोतवाली के शुक्लापुर पेट्रोल पंप के सामने तीन लोग ज़ख्मी हालत में पड़े देखे और उन्हे एम्बुलेंस-108 से सीएचसी अहिरोरी पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल शिवमंगल को सीएचसी से मेडिकल कालेज रेफ़र कर दिया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

चोरों ने लाखों के जेवर व कपड़े चुराए

अमृत विचार, हरदोई : बंद मकान का ताला तोड़कर घुसे अज्ञात चोरों ने अलमारी से लाखों के जेवर और कपड़े चोरी कर लिए हैं। दीपावली मना कर लौटे पीड़ित ने घर की स्थिति देख सन्न रह गया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। नवाबगंज मोहल्ला निवासी संजय अपने मकान में ताला डालकर दीपावली के अवसर पर अपने पैतृक गांव गए हुए थे। शुक्रवार की सुबह वह अपने घर आए तो दरवाजे पर ताले की जगह कुंडी लगी हुई थी। घर के अन्दर घुस कर देखा तो वह सन्न रह गए। घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने अलमारी में रखे लगभग 5 लख रुपए के जेवर और कपड़े चोरी कर लिए हैं बड़ी वारदात की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिस पर पुलिस ने अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग में 2023 विशेषज्ञ डॉक्टरों की दरकार

भेजा गया अधियाचन, उप्र.लोक सेवा आयोग ने शुरू की चयन प्रक्रिया, डॉक्टरों की कमी दूर होने की उम्मीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए एक बार फिर विभाग ने विभिन्न विषयों में 2023 पदों पर नियुक्ति के लिए अधियाचन भेजा है। उप्र. लोक सेवा आयोग द्वारा चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इन विशेषज्ञों के आने से न केवल विभाग में डॉक्टरों का संकट कम होगा, बल्कि मरीजों को गुणवत्ता युक्त इलाज मिलना सहज हो जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में 19011 डॉक्टरों के कैडर में मुश्किल से करीब 9 हजार डॉक्टर ही हैं। हर माह सेवानिवृत्त होने की वजह से इनकी संख्या लगातार कम पड़ती जा रही है, भरपाई के लिए कई प्रकार से डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया अपनाई जा रही हैं, मगर मरीजों की भीड़ के सापेक्ष डॉक्टरों की कमी बनी हुई है।

मालूम हो कि विभाग में वरिष्ठता क्रम में डॉक्टरों के सात ग्रेड हैं, इनमें ग्रेड वन में 3620 पद हैं और ग्रेड टू में 7240 पद हैं। ग्रेड वन में एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति होती है, नई सेवानियमावली के तहत ग्रेड टू में 7240 पदों को, दो हिस्सों में बांटकर 3620 पदों को विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं, जबकि शेष 3620 पद ग्रेड वन से प्रोन्नति से भरे जाएंगे। वर्तमान में ग्रेड टू के विशेषज्ञ पदों पर डॉक्टरों का संकट है, रिक्त चल रहे 2023 पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती करने का अधियाचन भेजा गया है। मालूम हो कि बीते 2021 में लेवल टू के लगभग 2400 के अधियाचन में 1029 डॉक्टरों की नियुक्ति की गई थी, मगर उनमें से मात्र 391 ने ज्वाइनिंग की सहमति दी थी। कुछ दिनों बाद ज्वाइनिंग देने वालों में भी आधे से ज्यादा को सरकारी अस्पतालों में सेवाएं देना रास नहीं आया। इसके बाद अक्टूबर 2023 में ग्रेड टू के 2382 पदों का अधियाचन भेजा गया था, उसमें भी मुश्किल से करीब 400 डॉक्टरों ने ही ज्वाइनिंग दी थी। कितने डॉक्टर सेवाएं दे रहे हैं विभाग ने बताने में असमर्थता जताई है।

किस विभाग में कितने पद

स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञों के निर्धारित 3620 पदों में सबसे ज्यादा 600 पद पीडियाट्रिशियन के हैं। जबकि, जनरल सर्जन, गायनोकोलॉजिस्ट, एनेस्थेटिक व फिजीशियन में से प्रत्येक के 590- 590 पद हैं। वहीं, रेडियोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, ऑथ्मोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक्स, ईएनटी सर्जन, डर्माटोलॉजिस्ट, मानसिक रोग विशेषज्ञ और फोरेंसिक विशेषज्ञ में से प्रत्येक के 75-75 पद हैं। इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजिस्ट और पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ के 30-30 पद निर्धारित हैं। वर्ष 2005 में विभाग में हुए संवर्ग के पुर्नगठन में कार्डियोलॉजिस्ट के 102 आरक्षित किए गए थे, जिन्हें नई नियमावली में खत्म कर दिए गए हैं।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचीं मंत्री बेबी रानी मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार की देर एक दुर्घटना में बाल विकास, पुष्टाहार एवं महिला कल्याण विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्य बाल-बाल बच गईं। दुर्घटना उस समय हुई, जब मंत्री बेबी रानी मौर्य हाथरस से लखनऊ आ रही थीं।

इस दौरान जैसे ही उनका काफिला फिरोजाबाद जिले के नसीरपुर इलाके में पहुंचा तो एक ट्रक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर से मंत्री की गाड़ी का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा एक्सप्रेस-वे के 56 किलोमीटर प्वाइंट पर हुआ है। बताया गया कि उनकी कार के साथ चल रहे ट्रक का टायर अचानक से फट गया, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर मंत्री की कार से टकरा गया। इस टक्कर में मंत्री की कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो हो गया। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को संभाला। हादसे के बाद कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य को तुरंत दूसरी कार की व्यवस्था करके लखनऊ के लिए रवाना किया गया।

ऊर्जा, शिक्षा, स्वच्छता समेत मिलेगा सम्मानजनक जीवन

जीरो पावर्टी अभियान के दूसरे चरण में मुख्यमंत्री ने तय किए नए संकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने सभी जिलों, ब्लॉकों व ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : जीरो पावर्टी अभियान का दूसरा चरण शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे एक मिशन के रूप में संचालित करने का संकल्प लेते हुए हर गरीब परिवार को ऊर्जा, स्वच्छता, शिक्षा, पेयजल और सम्मानजनक जीवन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी जिलों, ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कहा है कि किसी भी पात्र परिवार को योजना से वंचित न रहने दिया जाए। यह पहल केवल कल्याणकारी योजनाओं का एकीकरण नहीं, बल्कि गरीबी के विरुद्ध युद्ध है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस चरण में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जलजीवन मिशन, विद्युत कनेक्शन योजना, अटल आवासीय योजना और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना पर विशेष फोकस है। जीरो पावर्टी अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है, जो गरीबों को स्थायी रूप से गरीबी के दायरे से बाहर निकालने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यह अभियान केवल आंकड़ों का विषय न बनकर, गरीबी के स्थायी उन्मूलन का मॉडल बने। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है।

योगी ने बताया कि दूसरे चरण में अटल आवासीय योजना के तहत निराश्रित बच्चों को सुरक्षित आवास और शिक्षा से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों को विकास के अवसर मिल रहे हैं। वहीं उज्ज्वला योजना के जरिए हर पात्र परिवार को सुरक्षित रसोई ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत हर घर में शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है, जबकि जलजीवन मिशन से स्वच्छ पेयजल और विद्युत कनेक्शन योजना से नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

तीन स्तंभों पर आधारित है पहल

मुख्यमंत्री ने सभी जिलों, ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जीरो पावर्टी अभियान के तहत उन परिवारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनके पास कृषि भूमि या पक्का मकान नहीं है, या जिनके सदस्य वृद्ध, निराश्रित, अनाथ अथवा दिव्यांग हैं। यह पहल डेमोग्राफी, असेट ओनरशिप और एजुकेशन-एंप्लॉयबिलिटी के तीन स्तंभों पर आधारित है और राज्य को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम मानी जा रही है।

पहले चरण में सात योजनाओं पर रहा फोकस

अभियान के पहले चरण में सात प्रमुख योजनाओं वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और राशन कार्ड योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को लाभ पहुंचाया गया था। अब दूसरा चरण और व्यापक रूप में लागू किया जा रहा है, जो गरीबों की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित है।

एसीएस ने पूछा, कैसे करते हैं बसों की जांच

नवागत अपर मुख्य सचिव अर्चना अग्रवाल ने परिवहन मुख्यालय का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

टिहरी कोठी स्थित परिवहन निगम मुख्यालय के निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव।

अमृत विचार : नवागत अपर मुख्य सचिव परिवहन अर्चना अग्रवाल शुक्रवार को टिहरी कोठी स्थित परिवहन निगम मुख्यालय पहुंचीं। निगम की चल रहीं जनहित से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम के अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति, कार्यशैली और आने वाली योजनाओं पर विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने परिवहन निगम मुख्यालय पर स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। बसों की लोकेशन ओवर स्पीड आदि चीजों की ट्रैकिंग कैसे की जाती है, इस पर सवाल किए और पड़ताल की। उन्होंने एसओएस, पैनिक बटन और कस्टमर केयर रूम का भी निरीक्षण किया। लोगों को दी जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

अपर मुख्य सचिव ने पीपीपी मॉडल पर बन रहे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस बस स्टेशनों के बारे में भी जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम के सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप किए जाएं। सभी प्रमुख परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की और उनके समय पर पूर्ण होने की आवश्यकता पर जोर दिया। यात्रियों की सुविधा के लिए वाहनों की स्थिति, स्टेशन की साफ-सफाई और समय पर संचालन की जानकारी ली। परिवहन निगम द्वारा भविष्य में लागू की जाने वाली तकनीकी नवाचारों पर भी चर्चा की। कहा कि इससे संचालन में और सुधार होगा और यात्रियों को बेहतर अनुभव होगा। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार परिवहन सेवाओं को आधुनिक और यात्रियों के लिए आरामदायक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान प्रबंध निदेशक प्रभु एन सिंह, अपर प्रबंध निदेशक राम सिंह वर्मा, वित्त नियंत्रक अजय जौहरी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही।

छठ के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : छठ महापर्व के मद्देनजर रेलवे ने 30 प्रमुख स्टेशनों पर विशेष इंतजाम किए हैं ताकि महापर्व के बाद लौटने वाले यात्रियों को कोई दिक्कत न हो। गोरखपुर से वाराणसी तक 6000 से अधिक विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की है। छठ स्नान के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों के लिए लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, बलिया, प्रयागराज जैसे 30 प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन और यात्रियों की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। इन स्टेशनों पर अतिरिक्त कोच, टिकट काउंटर और मौसम-रोधी होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं।

तालाब में डूबने से गई अधेड़ की जान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : शौच करने के लिए तालाब के किनारे गया अधेड़ एक-एक उसी तालाब में गिर पड़ा। जिससे उसकी डूब कर मौत हो गई। काफी देर बाद जब अधेड़ वापस नहीं लौटा। उसका भाई देखने गया जहां उसका शव पानी में औंधे मुंह पड़ा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

बताया गया है कि बिलग्राम कोतवाली के गनीपुर निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र अर्जुन सिंह अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। वीरेंद्र की शादी नहीं हुई थी, वह अपनी बुजुर्ग मां रामप्यारी के साथ रहता था। भाई छोटेलाल ने बताया कि शुक्रवार की सुबह वीरेंद्र गांव के पूरब तालाब के किनारे शौच के लिए गया हुआ था।

दो दिन से लापता युवक का कुएं में मिला शव

अमृत विचार, हरदोई : ग्राम आगमपुर में दो दिन से लापता युवक का शव गांव के बाहर बने एक कुएं से बरामद हुआ। शव बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। मृतक की शिनाख्त अरविंद कुमार 35 वर्ष पुत्र रामकिशोर राजपूत निवासी आगमपुर के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताते चलें कि 22 अक्टूबर की शाम अरविंद घर से सब्जी लेने निकला था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास और नाते रिश्तेदारी में खोजबीन की, परंतु कोई सुराग नहीं लग सका। शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने गांव के बाहर स्थित कुएं में शव उतराता देखा। सूचना मिलते ही ग्रामीण एकत्रित हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। परिजन मौत को संदिग्ध परिस्थितियों में बताकर हत्या की आशंका जता रहे हैं।

नदी में डूबे युवक का 41 घंटे बाद मिला शव

संवाददाता, हरदोई

● गर्रा पुल के पास मछली पकड़ने गया था

अमृत विचार : पाली गर्रा पुल के पास मछली पकड़ने गया कस्बा निवासी एक युवक बुधवार दोपहर को डूब गया था, जिसका 41 घंटे बाद 10 किलोमीटर दूर लखमापुर के पास नदी से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जानकारी के मुताबिक कस्बा पाली के मोहल्ला पटियानीम निवासी सुरजीत कश्यप पुत्र केशव राम कश्यप अपने एक दोस्त के साथ बुधवार दोपहर करीब दो बजे पाली गर्रा पुल के पास मछली पकड़ने गया था, सुरजीत अपने दोस्त को नदी के किनारे पर बैठ कर पानी के अंदर मछली पकड़ने गया और काफी देर तक बाहर नहीं आया। सुरजीत के दोस्त ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय गोताखोरों ने सुरजीत की तलाश शुरू की पर कुछ पता नहीं चला। क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू भी मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को एसडीआरएफ की टीम बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाने का निर्देश दिया था।

पुलिस मुठभेड़ में दो इनामी बदमाशों को लगी गोली

शराब ठेके के सेल्समैन से नोटों से भरा बैग छीनकर हुए थे फरार

संवाददाता, हरदोई

मुठभेड़ में घायल बदमाश को ले जाते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

● सीतापुर रोड पर इटौली पुल के पास की गई घेराबंदी में फंसे

अमृत विचार। सीतापुर रोड पर इटौली पुल के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ में फायरिंग करते हुए भाग रहे 25-25 हज़ार के दो इनामी बदमाश पैर में गोली लगते ही गिर पड़े, जिन्हे पुलिस ने दबोच लिया। बताते चलें कि 17 अक्टूबर की रात शराब ठेके के सेल्समैन से नोंटों से भरा हुआ बैग छीन कर फरार हुए बदमाशों की तलाश में पुलिस ने पहरा और सख्त कर दिया था। एसपी अशोक कुमार मीणा ने बदमाशों पर 25 हज़ार का इनाम रखा था। गुरुवार देर रात चेंकिंग के दौरान पुलिस की बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। बदमाशों के पास से पिकअप, 14 हज़ार कैश, चाबी का गुच्छा, दो तमंचे, दो कारतूस और चार खोखे बरामद हुए हैं।

एसएचओ कोतवाली देहात विनोद कुमार यादव गुरुवार की देर रात अपनी टीम के साथ सीतापुर रोड इटौली पुल पर गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे। उसी बीच पिकअप आती हुई दिखी। पुलिस ने पिकअप को रोका, लेकिन उस पर सवार फायरिंग करते हुए भागने लगे, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गोली चलाई जिसमें दो बदमाश पैर में गोली लगने से गिर पड़े। उन्हें पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस की पकड़ में आए मेवाराम पुत्र मिट्ठूलाल निवासी जनकपुर कोतवाली देहात और अभिषेक पुत्र अशोक निवासी हरिपुर ग्रंट कोतवाली देहात बताए गए है। बता दें कि इटौली निवासी राहुल सिंह 17 अक्टूबर को शराब ठेके से घर लौट रहा था उसी बीच आशा रोड पर ईंट-भट्ठे के पास पिकअप से रास्ता रोक कर उसके पास से रुपयों से भरा बैग छीना गया था। पुलिस अगले दिन दी गई तहरीर पर बीएनएस की धारा 304(2) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन में जुट गई थी।

दादी को अकेला छोड़ फंदे पर लटका पौत्र

अमृत विचार, हरदोई : बुजुर्ग दादी अपने पोते के साथ गांव में रह रही थी, जबकि उसका बेटा-बहू और बच्चे दिल्ली में थे। गुरुवार की शाम को दादी को अकेला छोड़ कर घर से बाहर निकले पोते ने दुपट्टे से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि सुरसा थाने के पेंग निवासी सुदामा का 19 वर्षीय पुत्र दीपू अपनी बुजुर्ग दादी गुड्डी देवी के साथ गांव में रहता था। गुरुवार की शाम को दीपू घर पहुंचा, कुछ देर बाद दादी को अकेला छोड़ कर फिर बाहर चला गया। काफी देर बाद देखा गया कि दीपू का शव घर से करीब 50 मीटर दूर दक्षिण की तरफ दुपट्टे से बंधा गूलर के पेड़ से लटक रहा था। दीपू ने ऐसा कदम क्यों उठाया? पुलिस इसकी वजह तलाशने में जुटी है।

समस्या | चुनाव बीत जाने के बाद मुद्दा सिर्फ कागजों में दबकर रह गया

दोहरीकरण व नई रेललाइन की मांग अब भी अधूरी

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार : देश भर में यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिए भारतीय रेल जहां तेजी से ट्रैकों के दोहरीकरण का कार्य करा रही है, वहीं हरदोई जनपद अब भी उपेक्षा का शिकार दिखाई देता है। जिन रूटों पर दोहरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है या जारी है, वहां यात्रियों को राहत भी मिल रही है, लेकिन हरदोई और इसके आसपास के महत्वपूर्ण स्टेशन पर्याप्त ध्यान के अभाव में विकास से कोसों दूर नजर आते हैं। हरदोई में लंबे समय से रेल ढांचे में सुधार की मांग उठती रही है, मगर न तो रेल अधिकारियों ने इस दिशा में ठोस पहल की और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने आवश्यक सक्रियता दिखाई। लोकसभा चुनाव के दौरान हरदोई सदर सीट से सांसद जयप्रकाश रावत ने संडीला–हरदोई रेल लाइन को प्राथमिकता देने का वादा किया था, लेकिन चुनाव बीत जाने के बाद यह मुद्दा सिर्फ कागजों में दबकर रह गया। जमीनी स्तर पर कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया है।

अधिकारियों की निष्क्रियता खोल रही दावों की पोल

हरदोई जनपद के महत्वपूर्ण बालामऊ जंक्शन से सीतापुर, मिश्रिख और कानपुर/उन्नाव दिशा की ब्रांच लाइनें वर्षों से सिंगल ट्रैक पर ही चल रही हैं। इस मार्ग पर पैसेंजर से लेकर एक्सप्रेस ट्रेनें संचालित होती हैं, जिसके चलते अक्सर ट्रेनों का संचालन प्रभावित होता है। यदि इन रूटों का दोहरीकरण हो जाए तो यात्रियों को न केवल समय पर ट्रेन मिलने की सुविधा होगी, बल्कि अधिक ट्रेनों के संचालन का मार्ग भी प्रशस्त होगा। रेल प्रशासन की उदासीनता के कारण इस क्षेत्र की अपेक्षाएं अब तक अधूरी बनी हुई हैं। रेलवे के दोहरीकरण से जहां आम यात्रियों को सीधे लाभ मिलेगा वहीं रेलवे राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है। बालामऊ से कानपुर होते हुए उन्नाव और सीतापुर जनपद तक रेल आवागमन का महत्व किसी से छिपा नहीं है। रोजाना हजारों यात्री इस रूट का उपयोग करते हैं। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता रेलवे के विकास के दावों की पोल खोलती नजर आती है।

मिश्रिख रेललाइन बिछे तो भक्तों को मिले लाभ

सवायजपुर विधानसभा के विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह ने फर्रुखाबाद, हरदोई, मिश्रिख रेल लाइन के निर्माण की मांग उठाई थी। इस परियोजना के लिए करीब 56 लाख रुपये का सर्वे बजट भी स्वीकृत हुआ था, मगर आज तक इस सर्वे की रिपोर्ट का न तो कोई उल्लेख मिला और न ही जमीन पर इसकी शुरुआत का कोई संकेत दिखा। विधायक द्वारा कई बार इस मुद्दे पर अधिकारियों से वार्ता की गई, लेकिन उनके पास भी स्पष्ट जवाब नहीं है। मिश्रिख स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरदोई से यात्रा करते हैं, लेकिन रेल संपर्क के अभाव में उन्हें निजी या रोडवेज बसों का सहारा लेना पड़ता है। यदि हरदोई से मिश्रिख तक रेल लाइन बिछाई जाती है तो श्रद्धालुओं की यात्रा आसान होगी और रेलवे को भी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो सकेगी। मध्य प्रदेश, गुजरात, बंगाल समेत कई राज्यों से श्रद्धालु हरदोई पहुंचते हैं, लेकिन अंतिम पड़ाव तक ट्रेन न होने के कारण यात्रा का अनुभव कठिन बन जाता है।

रेलवे स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़

संवाददाता, हरदोई

हरदोई रेलवे स्टेशन पर टिकट खिड़की पर लगी यात्रियों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार : दीपावली और भाईदूज का त्योहार समाप्त होते ही एक बार फिर उत्तर भारत के बड़े शहरों की ओर लौटने वाली यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। हरदोई रेलवे स्टेशन पर सोमवार से ही दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और गुरुग्राम दिशा में जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना अधिक देखने को मिल रही है। स्थिति इतनी भीड़भाड़ वाली हो गई कि जनरल डिब्बों में तो पांव टिकाना भी मुश्किल साबित हो रहा है। प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों के रुकते ही यात्रियों की होड़ मच जाती है और अंदर घुसने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। हरदोई स्टेशन पर सुबह और शाम के समय खासी अव्यवस्था देखने को मिल रही है।

विशेष ट्रेनों से भी नहीं मिल रही राहत

रेल प्रशासन ने दावा किया था कि त्योहारों के समय विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा ताकि यात्रियों को राहत मिले, मगर व्यवहारिक स्तर पर इसका फायदा यात्रियों को पूरी तरह मिलता नहीं दिख रहा। कुछ स्पेशल ट्रेनें मार्ग से निकली भी, मगर भीड़ इतनी अधिक रही कि वे भी ओवरलोड हो गईं। जिन यात्रियों ने आरक्षण करवाने की कोशिश की, उन्हें भी वेटिंग के चलते कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कई लोग तत्काल टिकट की उम्मीद में रेलवे काउंटरों का चक्कर लगाते दिखे, लेकिन भारी संख्या की वजह से टिकट मिलना लगभग असंभव रहा। स्थानीय यात्रियों का कहना है कि हरदोई से दिल्ली की ओर रेल यातायात पहले से ही दबाव में रहता है। त्योहार के बाद यह दबाव और बढ़ जाता है।

परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए आसान नहीं पुण्य प्राप्ति की राह

लगी मशीनें व मजदूर, युद्ध स्तर पर चल रहा काम, तैयार किया जा रहा 14 कोसी परिक्रमा पथ

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: परिक्रमा पथ पर मशीनों के साथ बड़ी संख्या में मजदूरों को उतार दिया गया। कहीं सड़क बराबर करने के लिए जेसीबी लगी तो दूसरे स्थान पर मजदूर पथ को काला करने के लिए गिट्टी डाल रहे हैं। 14 कोसी परिक्रमा 29/30 अक्टूबर की रात शुरू होगी। लाखों लोगों को इसी सड़क से पुण्य अर्जित करने के लिए नंगे पाव चलना है। बड़े अफसरों ने गुरुवार को ही दौरा किया। मॉनिटरिंग के लिए विभाग के अफसरों की आवाजाही है।

अयोध्या के प्रसिद्ध 14 कोसी परिक्रमा में देश के कोने कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पिछले साल की परिक्रमा के समय से ही परिक्रमा पथ के चौड़ीकरण के साथ सुंदरीकरण किया जा रहा है। काम पूरा किए जाने का समय तो पूरा हो गया, लेकिन देखने से लगता है कि काम अभी पूरा नहीं है। मंडल और जिला प्रशासन के अफसर परिक्रमा को लेकर अगस्त महीने से ही निरीक्षण के साथ निर्देश दे रहे हैं। अब तक कई तारीखें बीत गईं, लेकिन यह चलने लायक तो नही बन पाया, लेकिन अब प्रयास है कि अगले चार दिन में इसे दुरुस्त कर दिया जाए। जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने अफसरों को निर्देश दिया कि जहां सड़क टूट फूट की स्थिति में है। उसे तुरंत ठीक कराया जाए। 29 तक इसे दुरुस्त किया जाना है।

14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर अभी तक बिछी गिट्टी पर नहीं चढ़ाया गया डामर।

कहीं सड़कें हो रहीं काली तो कहीं पड़ी हैं गिट्टियां

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर जनौरा अंडर पास से मोदहा तक के सर्वे में कहीं जेसीबी से मिट्टी उठाई जा रही थी। तो कहीं मजदूर सड़क काली कर रहे थे। नाली-नाले का गंदा पानी था। कुछ स्थानों पर तो अभी कीचड़ और मिट्टी पड़ी थी। अधूरे डक्ट और सीवर लाइन, पेयजल आपूर्ति की लाइन समय से न हो पाना पथ के निर्माण की सबसे बड़ी बाधा बताई गई।

न्यूज ब्रीफ

बहराइच में बाघ ने महिला पर किया हमला

बहराइच: कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के धर्मापुर रेंज क्षेत्र में सुबह बाघ ने एक महिला पर हमला कर दिया। धर्मापुर रेंज के हरखापुर के मजरा त्रिमुहानी निवासी महिला आयशा उर्फ कुरेशा बानो शुक्रवार की सुबह अपने घर से बाहर निकाल कर पालतू जानवरों के गोबर एकत्र कर रही थी। इसी दौरान जंगल से निकल कर आए बाघ ने महिला पर हमला कर दिया। महिला जब तक कुछ समझ पाती तब तक बाघ ने उसके सिर और गर्दन पर गंभीर घाव कर दिये। महिला ने अपने बचाव में शोर मचाया। जिस पर ग्रामीण लाठी डंडा लेकर उसकी ओर दौड़े और हांका लगाकर बाघ को दौड़ाया। बाघ जंगल की तरफ चला गया। बाघ के हमले में महिला को गंभीर चोटें आई हैं। सीएचसी में चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है।

उत्तर रेलवे ने 28 विशेष रेलगाड़ियां चलाईं

नई दिल्ली। त्योहारों के मौसम में यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित और व्यवस्थित करने के लिए भारतीय रेलवे देश भर में 12,000 से ज़्यादा स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इसी व्यापक प्रयास को जारी रखते हुए, उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने कल लगभग 18 से 30 स्पेशल ट्रेनों के बाद आज दिल्ली क्षेत्र से 28 स्पेशल ट्रेनें सफलतापूर्वक चलाईं। यह प्रयास छठ श्रद्धालुओं को सुरक्षित और आरामदायक तरीके से उनके घरों तक पहुंचाने पर केन्द्रित है।

यात्रियों की वापसी यात्रा को सुगम बनाने के लिए तैयार रेलवे

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेल यात्रियों की त्योहारों की यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाने के लिए देशभर में 12,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चला रही है। भारी त्योहारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख स्टेशनों जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, उधना, पुणे, मुंबई, बेंगलुरु, गोरखपुर, छपरा, सीवान बनारस, बलिया आदि पर सभी यात्री सुविधाओं से युक्त होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। रेलवे कर्मचारी चौबीसों घंटे यात्रियों का मार्गदर्शन करने, व्यवस्था बनाए रखने और सभी को सुरक्षित रूप से अपने घर तक पहुँचाने में जुटे हैं ताकि वे अपने परिजनों के साथ त्योहार मना सकें।

ओमान में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर 85 हजार ठगे

कानपुर। रेलबाजार में युवक ने पहचान के व्यक्ति पर ओमान में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 85 हजार रुपये ठगने का आरोप लगाया है। सुजातगंज निवासी मोहम्मद फैज खान के अनुसार बीती फरवरी माह में उनके परिचित बाबूपुरवा के रहने वाले मोहम्मद इकबाल ने ओमान में क्लीनर की नौकरी का झांसा देकर एक लाख रुपये की मांगे थे। नौकरी के लालच में उन्होंने आरोपी को तीन बार में 85 हजार रुपये दे दिए। उसके एक माह बाद आरोपी ने ओमान का फर्जी वीजा भी दे दिया। उसने कहा कि कि ओमान की टिकट करा देगा और उसे भेज देगा। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उन्हें ओमान की टिकट नहीं मिली। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

गोरखपुर, वाराणसी, दिल्ली तक दौड़ेंगी एसी ई-बसें

कानपुर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने कानपुर से लखनऊ, गोरखपुर, दिल्ली, वाराणसी, आगरा समेत कई महानगरों व जिलों के लिए इलेक्ट्रिक एसी बसें चलाने की तैयारी की है, जिसके लिए झकरकटी बस अड्डा समेत प्रदेश के कई बड़े बस अड्डों पर चार्जिंग प्वाइंट बनाने की सरकार से स्वीकृति मिल गई है।

शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग प्वाइंट लगने जा रहा है। इन बसों के चलने परिवहन विभाग द्वारा डीजल पर खर्च किये जा रहे करोड़ों रुपए से बड़ी राहत मिलेगी। नई इलेक्ट्रिक बसों में वैसे भी दो से तीन साल तक बैट्री को लेकर कुछ नहीं बोलना है। यानी तीन साल परिवहन ईंधन पर बिना कुछ खर्च किये अच्छी कमाई करेगा। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश विकास निगम द्वारा अभी कानपुर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों के लिए 80 से 90 इलेक्ट्रिक एसी बसें चलाई जा रही हैं लेकिन अब परिवहन विभाग को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इलेक्ट्रिक बसें देने जा रही है जिसमें कानपुर के लिए 200 इलेक्ट्रिक एसी बसें शामिल हैं। इन बसों को कानपुर से लखनऊ, गोरखपुर समेत विभिन्न रुटों पर चलाने की तैयारी है।

झकरकटी बस अड्डे पर तैयारियों पर मंथन करते अधिकारी। अमृत विचार

5100 दीपों से होगी मां सरयू की आरती

अयोध्या, अमृत विचार: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य महंत कमलनयन दास की उपस्थिति में संत तुलसीदास घाट कच्चा घाट पर प्रतिदिन मां सरयू की आरती शुरू हो गयी है। कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली पर 5100 दीपों से मां सरयू की आरती की जाएगी। संत तुलसीदास कच्चा घाट पर गुरुवार को दीपों की रोशनी और भक्तों के जयघोष से पूरा वातावरण राममय हो उठा। संपूर्ण व्यवस्था सीताराम पांडेय उर्फ बबलू महाराज ने संभाली। उन्होंने बताया कि मां सरयू की आरती प्रतिदिन होगी।

मां ने बेटे को बाहर भेज कर लगाई फांसी

हरदोई, अमृत विचार। जोशीमठ में तैनात सैनिक की पत्नी ने बड़े बेटे को घर से बाहर भेज दिया और छोटे बेटे को कमरें में बंद कर दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। जैसा कि बताया गया है कि सैनिक की पहली पत्नी ने भी इसी तरह आत्महत्या की थी, करीब 10 साल पहले उसने दूसरी शादी की और दूसरी पत्नी ने भी आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली शहर के कृष्ण नगरिया (चौहान थोक) निवासी अरुण राठौर सैनिक है और जोशीमठ में तैनात है। अरुण राठौर दीपावली पर घर आया हुआ था, बुधवार को घर में 35 वर्षीय पत्नी विनीता के अलावा दो बेटों को छोड़ कर ड्यूटी पर चला गया। उसके अगले ही दिन गुरुवार की दोपहर विनीता ने बड़े बेटे को बाहर भेज दिया और छोटे बेटे को कमरें में बंद कर दूसरी मंज़िल पर पहुंची, वहां उसने कमरें के दरवाज़े के रोशनदान में दुपट्टे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। उधर कुछ देर बाद बड़ा बेटा वापस लौटा और कमरे. में अपने भाई के रोने की आवाज़ सुन कर उसे बाहर निकाला, उसके बाद दोनों भाई मां को ढूंढते हुए छत पर पहुंचे जहां उनकी मां का शव फांसी पर लटक रहा था।

भाई ने बहन को चाकू से गोद कर उतारा था मौत के घाट

फालोअप

उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के गांव चिंगर पुरवा में हुए चर्चित किशोरी हत्याकांड में शुक्रवार को नया मोड़ आ गया। पुलिस की जांच में घटना आनर किलिंग की निकली। किशोरी की हत्या उसके सगे भाई ने ही की थी। जबकि मृतका की बुआ की रिपोर्ट में दर्ज कराए गए आरोपी बेगुनाह साबित हुए। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश कर हत्यारे भाई को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया है।

बता दें कि बीते गुरुवार बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव चिंगर पुरवा में 16 वर्षीय आरती पुत्री अमर सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। घटना की चश्मदीद मृतका की बुआ सोनी के बयान व दूसरी बुआ रेखा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी राजेश पुत्र गुड्डू के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी राजेश की मां को हिरासत में लिया था। आरोपी की मां से पूछताछ के दौरान पुलिस के हाथ अहम सुराग लग गए। इसके आधार पर पुलिस ने मृतका के भाई अंकित को हिरासत में लेकर पूछताछ की। तब अंकित ने अपनी सगी बहन की हत्या का राज उगल दिया। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि भाई ने गुनाह कबूल कर लिया है और आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

सरयू के तट पर कल्पवास कर रहे हजारों श्रद्धालु

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में कार्तिक माह प्रारंभ होने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कल्पवास कर रहे हैं। सरयू के तट स्थित दर्जनों मंदिरों में एक माह रहकर दर्शन पूजन और धार्मिक अनुष्ठान की परंपरा को संपन्न किया जाएगा, जिसे कार्तिक पूर्णिमा स्नान कर अनुष्ठान को पूर्ण आहुति दी जाएगी।

साल के 12 महीनों में हर मास का अपना धार्मिक महत्व है। अलग-अलग तीर्थों में अलग-अलग मास में कल्पवास का विधान है। इस परम्परा में तीर्थ नगरी अयोध्या में कार्तिक कल्पवास की परम्परा सनातन काल से है। इस परम्परा के निर्वहन के लिए यहां लाखों श्रद्धालु पहुंच चुके है। इन श्रद्धालुओं ने विभिन्न आश्रमों में आश्रय लिया है। सरयू के तट पर कल्पवास के लिए आश्विन पूर्णिमा से जप अनुष्ठान व दर्शन-पूजन के साथ सत्संग की दिनचर्या शुरु हो गई थी, जहां प्रतिदिन प्रातःकाल श्रद्धालु सरयू नदी के पवित्र जलधारा डुबकी लगाकर पूजन कर दीपदान की परंपरा को संपन्न कर रहे हैं। इस वर्ष कार्तिक परिक्रमा पर अत्यधिक भीड़ होने की संभावना है। 31 अक्टूबर को देवोत्थानी एकादशी पर पंचकोसी परिक्रमा की जाएगी। 5 नवम्बर को पूर्णिमा होगी।

सरयू के तट पर पूजन अर्चन करते कल्पवासी। अमृत विचार

- **कार्तिक पूर्णिमा को स्नान कर अनुष्ठान को दी जाएगी पूर्ण आहुति**

रोज करते हैं रामलला का दर्शन

महाराजगंज से आईं महिला श्रद्धालु सविता देवी ने कहा कि एक माह के लिए अपने परिवार और सभी घर के कार्यों को छोड़कर भगवान की आराधना पूजन के लिए कल्पवास कर रहे हैं। हर रोज सुबह स्नान के बाद राम मंदिर, हनुमानगढ़ी सहित अन्य मंदिरों में दर्शन पूजन के बाद अपने स्थान पर हवन पूजन करते हुए भगवान से कामना करते हैं कि हमारा परिवार और समाज खूब तरक्की करे। आने वाली समय सभी समस्याएं समाप्त हों।

जिला परियोजना कार्यालय उ०प्र०
समग्र शिक्षा अभियान, जनपद लखनऊ
ईमेल–rmsa.lko@gmail.com

पृ0सं0 / आर0एम0एस0ए0/2015–20 / 2025–26 दिनांक 18/10/25

विज्ञप्ति

राज्य परियोजना कार्यालय के पत्र संख्या समग्र शिक्षा (मा0)/ प्रयो0उप0 /362–63/2025–26 दिनांक 19.05.2025 के अनुक्रम में जनपद के 17 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान उपकरण क्रय हेतु जेम पोर्टल पर रि बिड संख्या Gem/2025/B/6738956 दिनांक 16.10.2025 अपलोड/ पब्लिश कर दी गई है। जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 31.10.2025 को समय 11: 30 बजे के खोली जानी है। इच्छुक फर्म अन्तिम तिथि 31.10.2025 को 11: 00 बजे तक आनलाइन माध्यम से बिड भर सकते है।

(राकेश कुमार)
जिला विद्यालय निरीक्षक
लखनऊ

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे एवं परिसरो के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट, हरौनी** को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट** को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट** के समीप दाखिल होने या काम करने नहीं जाएगा।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	दिनाँक
कानपुर–लखनऊ खंड में गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक बढ़ाने के कार्य के संबंध में, 2x25 केवी एटी फीडिंग प्रणाली हेतु संबद्ध उपकरणों सहित **2x25 केवी सब-सेक्शनिंग एवं पैरेललिंग पोस्ट, हरौनी** (रेलवे स्थान संख्या किलोमीटर 22/9-10, चेनिज 22/284.000) के ऊर्जीकृत किए जाने के संबंध में।	लखनऊ	27.10.2025

उप मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण)
3316/2025 उ.रे., लखनऊ
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यात्री बन्धुओं के लिये आवश्यक सूचना

(1) रेल गाड़ी के डिब्बों में स्टोव जलाना, आतिशबाजी का सामान, बारूद से बनी वस्तुयें, गैस सिलिण्डर, तेजाब, फिल्म, मिट्टी का तेल एवं पेट्रोल जैसी अन्य ज्वलनशील एवं खतरनाक वस्तुओं को साथ लेकर यात्रा करना भारतीय रेल अधिनियम 1989 के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत दण्डनीय हैं। इन वस्तुओं को साथ लेकर कभी यात्रा न करें।
(2) यदि इस प्रकार की ज्वलनशील एवं खतरनाक विस्फोटक वस्तुओं को गाड़ी अथवा स्टेशन प्लेटफार्म पर देखें तो तुरन्त इसकी सूचना गार्ड/टी.टी.ई. अथवा स्टेशन मास्टर को दें।
(3) रेलवे ट्रैक, स्टेशन एवं समपारों फाटकों के आस-पास भीड़ एकत्रित न करें, यह खतरनाक हो सकता है।
(4) स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिये पैदल उपरिगामी पुल का प्रयोग करें।
(5) गाड़ी के छत एवं पावदान पर यात्रा न करें, यह जानलेवा एवं दण्डनीय है।
(6) स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छता बनाये रखें।

मुजाधि/संरक्षा–02
पूर्वोत्तर रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
nerailwaygkp N. E. Railway NORTH EASTREN RAILWAY
@n.e.railwaygkp www.ner.indianrailways.gov.in koo@nerailwaygkp

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना:ओटी-10-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली" निविदा आमंत्रित की जाती है।
क्रम सं.-1, निविदा सं.: ओटी-10-2025, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मण्डल अन्तर्गत गोरखपुर कैण्ट–बाल्मिकीनगर खण्ड में 2 x 25 केवी, एसी, 50 हर्ट्ज ओएचई प्रणाली पर विद्युत आपूर्ति हेतु टीएसएस, एसएसपी, बीएसपी की डिजाइन, आपूर्ति, परीक्षण, स्थापना और कमीशनिंग तथा एसएसपी एवं बीएसपी भवनों के विद्युतीकरण का कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 61,32,23,495.34, बयाना राशि: ₹ 32,16,100/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह, निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय: 04-12-2025 को 15:00 बजे।
नोट: • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-166 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज जू0डि0 महोदय पूर्वी हरदोई

T.N.-159 /18–9–25

1. राकेश कुमार उम्र करीब 58 वर्ष, 2. सर्वेश कुमार उम्र करीब 38 वर्ष पुत्रगण स्व0 कढिले निवासीगण ग्राम परचौली पो0 टिकार परगना कटियारी तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई, 3. श्रीमती राजरानी उम्र करीब 50 वर्ष (विवाहित बहन मृतक स्व0 श्रीकृष्ण) पुत्री स्व0 कढिले पत्नी सुलखान सिंह निवासी ग्राम मंगली रूपपुर पो0 कुबेरपुर घाट परगना शमशाबाद तहसील कायमगंज जनपद फर्रुखाबाद, 4. श्रीमती गुड्डी देवी उम्र करीब 42 वर्ष (विवाहित बहन मृतक स्व0 श्रीकृष्ण) पुत्री स्व0 कढिले पत्नी महेन्द्र निवासी–ग्राम हुल्लापुर परगना व तहसील जलालाबाद जनपद शाहजहाँपुर ..प्रार्थी

बनाम

1. जा0 मृतक श्रीकृष्ण पुत्र स्व0 कढिले, निवासी ग्राम परचौली पो0 टिकार परगना कटियारी तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई, 2. इण्डियन बैंक (इलाहाबाद) शाखा पलिया हरपालपुर तहसील सवायजपुर जिला हरदोई द्वारा शाखा प्रबन्धक, 3. सर्वसाधारण –विपक्षीगण

अ0स0मु0नं0–166/25
तारीख पेशी– 31/10/20

सर्व साधारण को सूचित किया है कि गोकरन आदि ने प्राप्त करने उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थना पत्र की सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 31/10/25 नियत है। अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के बावत जायदाद मृतका श्रीमती कलावती की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनांक 31/10/2015 प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में कोई उजर नहीं सुना जायेगा। आज बतारीख मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

आज्ञा से
मुंसरिम

कार्यालय ग्राम भिटौरा वि0ख0 रामनगर जिला बाराबंकी

पत्रांक मेमो/मनरेगा/वित्तीय वर्ष –2024–25 दिनांक – 24–10–2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत भिटौरा विकास खंड रामनगर जनपद बाराबंकी में मनरेगा योजना के अंतर्गत निम्न कार्य हेतु निविदा प्रस्तावित है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	आपूर्ति की जाने वाली सामग्री का विवरण	सामग्री की मात्रा से/ई. में	अनु.ला. जीएसटी सहित (लाख में)
1	कार्य का नाम रामधनी के घर से मेन रोड तक व इंद्रपाल के घर होते हुए किशोरी के घर तक नाली सहित इंटरलाकिंग निर्माण कार्य।	ईट गिट्टी. सीमेंट महीन बालू मोटी बालू ईटा इंटरलाकिंग ईट लोकल बालू	40 एमएम–33.114 घन मी 157.56 बैग 16.557 घन मी 11.423 घन मी 15611.94 नग 80 एमएम –10328.68 नग 209781 घन मी	47385.18 62520.704 19123.335 32817.3615 114185.7334 280293.235 15418.9035

आदि सामग्री की आवश्यकता है, इच्छुक फर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय में दिनाँक 24–10–2025 से 31–10–2025 तक डाली जायेगी। तथा उसी दिन दोपहर 02 बजे निविदा/टेंडर ओपन कमेटी द्वारा पंचायत कार्यालय में खोला जाएगा। जिस फर्म की निविदा सबसे न्यूनतम होगी। उस फर्म की निविदा स्वीकार करते हुए अन्य फर्मो की निविदा अस्वीकार कर दी जाएगी। निविदा प्रवक का मूल्य जो होगा नगद/डाफ्ट के द्वारा ग्राम पंचायत के नाम पर देय होगा।

ग्राम प्रधान — ग्राम पंचायत.भिटौरा, ब्लाक रामनगर जिला बाराबंकी
सचिव — ग्राम पंचायत.भिटौरा, ब्लाक रामनगर जिला बाराबंकी

कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना वि0ख0 रेउसा, सीतपुर

पत्रांक /निविदा आ0/केंद्र वि0आ0/राज्य वि0आ0/मनरेगा/2025–26 दिनांक:

निविदा आमंत्रण सूचना अल्पकालीन

कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना वि0ख0 रेउसा पंजीकृत ठेकेदारों एवं फर्मो व भठ्ठा मालिकों को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित निर्माण कार्यो की अल्पकालिक मोहरबंद निविदायें समस्त पंजीकृत ठेकेदारों फर्मो व भट्ठों से दिनांक 31–10–25 के अपरान्ह 12 बजे बजे तक पंजीकृत ठेकेदारों व फर्मो के सक्षम अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। किसी भी टेण्डर को निरस्त करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 25–10–25 से दिनांक 31–10–2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना से प्राप्त किये जा सकते हैं। प्रत्येक निविदा के साथ दो प्रतिशत की जमानत धनराशि एन0एस0सी0/ए0एफ0डी0आर0 के रूप में संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो कार्यालय ग्राम पंचायत मुजेहना के नाम बंधक होगा। अन्य शर्तो के आदि की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। ठेकेदारों व फर्मो द्वारा निविदा प्रपत्र पर अंकित की गयी धनराशि अंकों एवं शब्दों में लिखना अनिवार्य होगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित लागत	प्राक्कलन के अनुसार सामग्री जिसकी आपूर्ति होनी है।	सामग्री धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	आँगन बाडी केन्द्र भवन निर्माण (मुजेहना)	11.84 लाख	ईट प्रथम श्रेणी बालू मौरंग सरिया, सीमेन्ट, रोडा, गिट्टी अद्धा टाईल्स, सेनेट्री एव वाटर सप्लाई इलेक्ट्रिक वायरिंग ई0मार्का हैण्ड पंप स्थापना, अलमारी, डेस्क बेच वाल पेन्टिंग	997303	200

जिस निविदादाता का टेण्डर सबसे कम दर का होगा, उसे टेण्डर स्वीकृत दर के आधार पर आगणित सामग्री की कुल लागत का दो प्रतिशत जमानत धरोहर की धनराशि एन0एस0सी0/ए0फ0डी0आर0 जो ग्राम पंचायत मुजेहना के पक्ष में बंधक होगा। जमा करने पर ही सामग्री की आपूर्ति का आदेश दिया जायेगा।

ग्राम प्रधान — ग्राम पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत मुजेहना, रेउसा–सीतापुर

भारतीय रेल

"सार्वजनिक सूचना"

रेलवे एवं परिसरो के सभी उपभोक्ताओ को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि रेलवे के निम्नलिखित खंड पर 220 केवी 2x25केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन, अजगैन को खंड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद में ऊर्जित किया जाएगा। उस तारीख को और उस तारीख से 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन को सभी समय हमेशा के लिए विद्युतीकृत माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन के समीप दाखिल होने या काम करने नही जाएगा।

सेक्शन (खण्ड)	मण्डल (डिवीजन)	(दिनांक)
कानपुर–लखनऊ खंड में गति 160 किमीघंटा तक/बढ़ाने के संबंध में 2x25 केवी एटी फीडिंग प्रणाली हेतु संबद्ध उपकरणों सहित 220 केवी/2x25 केवी ट्रैक्शन सबस्टेशन, अजगैन रेलवे स्थान संख्या किमी) 38/11–17, चेनिज के 38/334.000) के ऊर्जीकृत) Energisation) किए जाने के संबंध में।	लखनऊ	27.10.2025

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर रेलवे, लखनऊ 3314/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **राज कुमार सिंह पुत्र स्व0 संत सिंह व श्रीमती मनोज सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह निवासीगण–547 /160/2क, निकट संतोषी माता मंदिर, जलालपुर, राजाजीपुरम लखनऊ** मेरा पुत्र शिवम सिंह उर्फ शिवा सिंह व पुत्रवधू श्रीमती श्रेया सिंह झगड़ालू प्रवृत्ति के है वह लोग मेरे साथ लड़ाई झगड़ा व अभद्र व्यवहार करते हैं और कहना नहीं मानते है जिस कारण हम अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में पुत्र व पुत्रवधू के किसी भी कृत्य या लेन देने के लिए मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 2025 रोल नंबर 1252279706 माध्यमिक शिक्षा परिषद का वास्तव में खो गया है। **आयुष कुमार बौद्ध पुत्र मनोज कुमार बौद्ध निवासी ग्राम खुर्दाशीर रामगढ़ करनैलगंज जनपद गोंडा।**

सूचना
मैं, **श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी कौशलेंद्र सिंह निवासिनी ग्राम पूरे बनिया मजरे हेवतहा नेवढ़िया, पोस्ट हेवतहा नेवढ़िया थाना जगतपुर जिला रायबरेली** ने अपना नाम जठे सिंह (JATHEY SINGH) से ज्योति सिंह शपथ पत्र दिनांकित 16.10.2025 द्वारा कर लिया है। यही मेरा वास्तविक नाम है और भविष्य में इसी नाम से जानी पहचानी जाऊंगी।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने HDFC CHILDREN'S DOUBLE PLAN की पॉलिसी नं. 10217268 कराई थी, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम अशोक कुमार पुत्र रामराज और जन्मतिथि 10/02/1983 ई. अंकित है, जबकि अभिलेखों में अशोक पुत्र रामराज जन्मतिथि 25/10/1978 ई.दर्ज है जो कि सही है। **अशोक पुत्र रामराज, नि. – पूरे सुख्खा मजरे कोलवा पो. अशरफपुर परगना रोखा तह. सलोन, जिला – रायबरेली**

सूचना
मैं **संगीता पत्नी स्व. अवधेश कुमार पूरे भुजवन मजरे बेलाभेला थाना भदोखर, जिला रायबरेली** की रहने वाली हूं। मैं अपने बड़े बेटे शिवम के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करती हूं। भविष्य में शिवम द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना
मै मनोज कुमार मेरे आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, हाई स्कूल अंकपत्र व प्रमाण पत्र मे मेरे पिता का नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट मे पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित हो गया है जबकि वास्तविक नाम गया प्रसाद है। अतः भविष्य मे गया प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट भांई थाना–धम्मौर, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0)

सूचना
यह घोषित किया जाता है कि **श्रीमती रेणु देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार, निवासी: स्थायी पता: ग्राम–बलुआ, पोस्ट–डुमरा, वार्ड नं. 3, जिला–सीतामढ़ी, बिहार–843316, वर्तमान पता: मकान संख्या 1/1130, रतन खंड, शारदा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** विवाह से पहले उनका नाम रेणु कुमारी था, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने अपना नाम रेणु कुमारी से बदलकर रेणु देवी रख लिया। अब वे रेणु देवी के नाम से जानी जाती हैं। अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उनका वास्तविक नाम रेणु देवी है।

सूचना
मैं **मोहम्मद हारुन निवासी हमिरापुर मलिहाबाद लखनऊ–227111, उत्तर प्रदेश, भारत,** यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से मोहम्मद हारुन अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम मोहम्मद हारुन है जबकि माता एवम पिता का नाम भी गलत दर्ज है, पिता का गलत नाम अब्दुल हसन मेहँदी हसन सही नाम अब्बुल हसन है, माता का गलत नाम सबीहा खातून अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम सबीहा खातून है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट नम्बर N3709359 में पिता का नाम त्रुटिवश बन्नू (BANNU) अंकित हो गया था जबकि मेरे पिता का सही नाम अब्दुल बारी ABDUL BARI है अतः उससे इसी नाम से पढ़ा व समझा जाए। **अज्जन खान पुत्र अब्दुल बारी नाज़िरपुरा बहराइच 271801**

सूचना
मैं **देवकी नन्दन वर्मा पुत्र श्री चन्द्रभाल वर्मा, निवासी– ग्राम अम्बरपुर क्लार्कनगर पोस्ट खगेसियामऊ तहसील व जिला सीतापुर उ0प्र0** 261001 का हूँ, मेरे पुत्र वंश राजपूत के स्कूल अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) लिखा है जबकि सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) है जो कि सच व सही है। पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) स्थान पर आधारकार्ड के अनुसार सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) दर्ज किया जाय।

पुलिसकर्मी ने किया दुष्कर्म, महिला चिकित्सक ने की आत्महत्या

सातारा, एजेंसी

- महिला ने हाथ पर लिखा सुसाइड नोट, इंजीनियर पर लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप
- मुख्यमंत्री ने एसपी से आरोपी पुलिसवाले को तत्काल निलंबित करने का दिया आदेश

महाराष्ट्र के सातारा जिले में सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने हथेली पर 'सुसाइड नोट' लिखा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर दुष्कर्म और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सातारा एसपी तुषार दोशी को 'सुसाइड नोट' में आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले की 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के सरकारी अस्पताल में कार्यरत थी। महिला चिकित्सक का शव गुरुवार देर रात फलटण में होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पांच महीनों में सातारा के पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उससे कई बार दुष्कर्म किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बांकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। बदाने और बांकर के खिलाफ दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज हुआ है।

एसपी दोशी ने बताया कि फलटण शहर पुलिस थाने में उपनिरीक्षक सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दोनों को पकड़ने के लिए दो टीमें गठित हुई हैं। महिला चिकित्सक ने फलटण के एसडीपीओ (उप-विभागीय पुलिस अधिकारी) को कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ लिखित शिकायत सौंपी थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अस्पताल प्रशासन को महिला चिकित्सक के खिलाफ शिकायत दी थी। महिला चिकित्सक ने फलटण के होटल में कमरा बुक किया था। हालांकि, जब होटल कर्मचारियों ने कमरे का दरवाजा खटखटाया और घंटी बजाई, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। कर्मचारियों को शक हुआ और उन्होंने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला, तो महिला को फंदे से लटका पाया।

कोल्हापुर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुनील फुलारी ने कहा कि अब तक जुटाए गए सबूतों के आधार पर जांच जारी हैं। सातारा जिले में मामला दर्ज हुआ है। आरोपी पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- उनके साथ हुई बातचीत हमेशा रहेगी याद

क्रिकेट के दीवाने थे पीयूष, सिने जगत व राजनेताओं ने जताया शोक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के विज्ञापन जगत के दिग्गजों में से एक पीयूष पांडे के निधन पर उद्योग से लेकर सिने जगत व राजनेताओं ने शोक जताया। पांडे को क्रिकेट में भी खास दिलचस्पी थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में राजस्थान क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व भी किया था। उनकी बहन एवं गायिका इला अरुण ने बताया कि पीयूष पांडे का निधन शुक्रवार सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर मुंबई के एक निजी अस्पताल में हुआ। वह पिछले कुछ दिनों से सांस संबंधी दिक्कतों के कारण उपचाराधीन थे। इला ने बताया, उन्हें खेल का बहुत शौक था। वह हमारे परिवार को 11 लोगों की क्रिकेट टीम बताते थे, नौ भाई-बहन और माता-पिता। पीयूष सबसे शरारती और सबसे मजाकिया थे। उन्हें पतंगबाजी का भी काफी शौक था। उन्होंने कहा कि पीयूष हर रिश्ते को महत्व देते थे और उसे संजोते थे, इसी कारण जिन बड़े लोगों से उनका परिचय हुआ, वे सिर्फ ग्राहक भर नहीं रह गए बल्कि उनके अपने बन गए। अरुण ने कहा, वह पांच साल तक मेरे साथ रहे। और उन्होंने अपनी विज्ञापन कंपनी (ओगिल्वी) को कभी नहीं छोड़ा, क्योंकि इससे उन्हें अपनी पसंद के विज्ञापन बनाने की पूरी आजादी मिलती रही।

पांडे अपनी पत्नी के साथ मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क इलाके में रहते थे। अरुण ने कहा कि इस घर में एक बालकनी थी जहां से अरब सागर दिखता था। यह उनकी सबसे पसंदीदा जगह थी। उन्होंने कहा, वह असल मायनों में एक सच्चे खेलप्रेमी थे, जिन्हें कई खेलों में दिलचस्पी थी और उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से अपनाया था। इसके अलावा, उन्होंने तैराकी और भाला फेंक में भी पुरस्कार जीते थे। उनके दूसरे भाई प्रसून पांडेय भी विज्ञापन जगत से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और पीयूष गोयल ने पांडे के निधन पर शोक प्रकट किया। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पीयूष पांडे जी की रचनात्मक प्रतिभा को सभी ने सराहा। उन्होंने विज्ञापन और संचार की दुनिया में अभूतपूर्व योगदान दिया। उनके साथ हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। उनके निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। सीतारमण ने उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत की महान और दिग्गज शख्सियत बताया और कहा कि पांडे सामान्य बोलचाल की भाषा और देसी अंदाज से विज्ञापन की दुनिया में बड़ा बदलाव लाए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पांडे विज्ञापन जगत में असाधारण शख्सियत थे और उनकी रचनात्मकता ने कहानी कहने के तरीकों को ही बदल दिया। उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा कि पांडे सिर्फ महान विज्ञापन विशेषज्ञ नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने कहा कि पांडे ने विज्ञापन जगत पर अमिट छाप छोड़ी। जयपुर में जन्मे पांडे ने 2023 में 'ओगिल्वी इंडिया' के कार्यकारी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था और सलाहकार के तौर पर जुड़े हुए थे।

अमिताभ बच्चन, प्रसून जोशी ने कहा- भारत के बेहतरीन कहानीकारों में एक थे पांडेय

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन, रवीना टंडन, हंसल मेहता और प्रसून जोशी सहित फिल्म उद्योग की प्रमुख हस्तियों ने शुक्रवार को 'एड गुरु' पीयूष पांडे को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें भारत के बेहतरीन कहानीकारों में से एक बताया जिनकी प्रामाणिकता और हंसी हमेशा गूंजती रहेगी। बच्चन ने अपने आधिकारिक ब्लॉग पर लिखा, एक रचनात्मक प्रतिभा... एक अत्यंत मिलनसार मित्र और मार्गदर्शक... हमें छोड़कर चले गए... हमारे दुख को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं... पीयूष पांडे का आज सुबह निधन हो गया... उनके द्वारा किए गए रचनात्मक कार्य सदैव उनकी असीम रचनात्मकता के प्रतीक रहेंगे। टंडन ने अपनी 'इंस्टाग्राम'' स्टोरी पर पांडे की मौत के बारे में एक पोस्ट को साझा किया और लिखा, अपनी बुद्धि से स्वर्ग को और भी अधिक जीवंत और खुशनुमा बनाओ! प्रिय पीयूष।

नीतीश के नेतृत्व में रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग

बिहार विस चुनाव

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।

तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

जनसभा में लोगों का अभिवादन करते अमित शाह।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'असली दिवाली' 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान जिले में आयोजित जनसभा में शाह ने लालू प्रसाद यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा कि सीवान की जनता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को सीवान की जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे पूरा विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी और राजद गठबंधन की अपमानजनक हार होगी। गृहमंत्री ने यह भी दावा किया कि बिहार में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पूरी तरह बिखर चुका है। कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर शाह ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि घुसपैठिए यहीं रहें, लेकिन बिहार में एक भी घुसपैठिया नहीं रहने दिया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए राष्ट्रीय सुरक्षासे जुड़े फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया, और पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान की धरती पर आतंक के ठिकानों को ध्वस्त किया। यह है मजबूत नेतृत्व। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि लालू ने सिर्फ घोटाले किए- चारा घोटाला, जमीन के बदले नौकरी घोटाला, बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) भर्ती घोटाला... और उन पर आय से अधिक संपत्ति का भी मामला दर्ज है।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत चुनाव आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

- रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

सीताराम केसरी के प्रति सम्मान का दिखावा कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

- श्रद्धांजलि दिए जाने पर भाजपा ने की विपक्षी दल की आलोचना

भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं द्वारा सीताराम केसरी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दिए जाने को लेकर विपक्षी दल की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लोगों को मूर्ख बनाने के लिए अपने पूर्व पार्टी अध्यक्ष के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का दिखावा कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय 24, अकबर रोड पर केसरी की 25वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वर्ष 1998 में कांग्रेस कार्यसमिति ने केसरी को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि समय बड़ा बलवान है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि एक समय, कांग्रेस के प्रथम परिवार के निर्देश पर सीताराम केसरी को अपमानित किया गया, उनकी धोती फाड़ दी गई और सोनिया गांधी के लिए कांग्रेस की गद्दी खाली कराने के मकसद से उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

राजग जीती तो नीतीश कुमार नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है।

सेना से आग्रह जैसलमेर में भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों को रक्षा मंत्री ने किया संबोधित

दुश्मनों को कम न आंकें, हर स्थिति से निपटने को रहें तैयार : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षा मंत्री ने की चीन-पाकिस्तान सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति की व्यापक समीक्षा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने इस नई रणनीतिक सोच को जन्म दिया है कि भारत किसी भी आतंकी हरकत का अपनी शर्तों पर जवाब देगा। उन्होंने सेना से दुश्मनों को कभी कम न आंकने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने का आह्वान किया।

जैसलमेर में भारतीय सेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करते हुए सिंह ने सेना से भविष्य की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सूचना युद्ध, आधुनिक रक्षा बुनियादी ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री और सेना के शीर्ष अधिकारियों ने चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति तथा सेना की संचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

सिंह ने पाकिस्तान सीमा पर तनोट और लोंगेवाला के अग्रिम इलाकों का भी दौरा किया तथा विशाल सैन्य अभ्यास देखा जिसमें सेना की नयी प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य कौशल और राष्ट्रीय चरित्र का प्रतीक बताया तथा कहा कि इसके माध्यम से सैनिकों ने प्रदर्शित किया कि उनकी ताकत केवल हथियारों में ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक अनुशासन और रणनीतिक स्पष्टता में भी निहित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इतिहास में केवल एक सैन्य अभियान के रूप में ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के साहस और संयम के प्रतीक के रूप में भी दर्ज होगा। सिंह ने कहा कि आतंकियों के खिलाफ हमारी सेना द्वारा की गई कार्रवाई नीतिगत सटीकता और मानव की गरिमा, दोनों के अनुरूप थी। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। शांति के लिए हमारा मिशन तब तक जारी रहेगा जब तक एक भी आतंकवादी मानसिकता वाला व्यक्ति जिंदा है। रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि ऑपरेशन सिंदूर ने इस नयी रणनीतिक सोच को जन्म दिया है कि भारत किसी भी आतंकवादी हरकत का अपनी शर्तों पर जवाब देगा। उन्होंने कहा कि यह नये भारत का रक्षा सिद्धांत है, जो दृढ़ संकल्प और साहस दोनों का प्रतीक है। सिंह ने सैनिकों से आह्वान किया कि वे दुश्मनों को कम न आंकें तथा सदैव सतर्क एवं तैयार रहें।

सम्मेलन में सेना के शीर्ष अधिकारी हुए शामिल

इस सम्मेलन में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, उप-सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह और सभी सेना कमांडर उपस्थित थे। रक्षा मंत्री ने कमांडरों से भविष्य के अभियानों के लिहाज से सेना की तत्परता सुनिश्चित करने के लिए रक्षा कूटनीति, आत्मनिर्भरता, सूचना युद्ध, रक्षा अवसंरचना और बल आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों के पेशेवर रुख, साहस और जुझारूपन की सराहना की और उच्चतम स्तर की संचालन तैयारियों को बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक, अवसंरचना और सहायता प्रदान करने की सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सिंह ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास में सेना की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 का निरस्त होना ऐतिहासिक था। आज, वहां की सड़कें अशांति से नहीं, बल्कि आशा से भरी हैं।

भारतीय सेना अनुकूलनशील सेनाओं में एक

उत्तरी सीमा की स्थिति पर सिंह ने कहा कि चीन के साथ बातचीत और तनाव कम करने के कदमों ने भारत की संतुलित और दृढ़ विदेश नीति को प्रदर्शित किया है। हमारी नीति स्पष्ट है कि बातचीत जारी रहेगी और सीमा पर हमारी तत्परता बरकरार रहेगी। सैनिकों की इच्छाशक्ति और अनुशासन की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि भारतीय सेना दुनिया की सबसे अनुकूलनशील सेनाओं में एक मानी जाती है। चाहे वह सियाचिन का बर्फीला इलाका हो, या राजस्थान के रेगिस्तान की चिलचिलाती गर्मी हो, या घने जंगलों में आतंकवाद विरोधी अभियान हों, हमारे सैनिकों ने हमेशा अपनी क्षमता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। कठिन परिस्थितियों और विविध चुनौतियों के बावजूद, वे बदलावों के साथ तालमेल बिठाते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करते हैं। सिंह ने कहा कि आज का युद्ध तकनीक-आधारित है, फिर भी सैनिक देश की सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

परिणाम देने की शक्ति मानवीय भावना में निहित

मशीनें ताकत बढ़ाती हैं, लेकिन परिणाम देने की शक्ति मानवीय भावना में ही होती है। सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध साइबरस्पेस, सूचना, इलेक्ट्रॉनिक व्यवधान और अंतरिक्ष नियंत्रण जैसे अदृश्य क्षेत्रों में लड़े जाते हैं, और नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाने के साथ-साथ सैनिकों की त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और इच्छाशक्ति भी महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने लोंगेवाला का भी दौरा किया और युद्ध स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा भारतीय सेना के वीरों को श्रद्धांजलि दी।

येदियुरप्पा की याचिका पर उच्च न्यायालय ने फैसला रखा सुरक्षित

बेंगलुरु, एजेंसी

- कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री पर पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया है मामला

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है जिसमें उन्होंने पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में अधीनस्थ अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान को चुनौती दी है। भाजपा के 81 वर्षीय वरिष्ठ नेता पर दो फरवरी 2024 को बेंगलुरु के संजयनगर स्थित उनके आवास में 17 वर्षीय लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। लड़की की मां का अब निधन हो चुका है। उसने अपनी बेटी से जुड़े एक पुराने यौन उत्पीड़न मामले में मदद के लिए येदियुरप्पा से कथित तौर पर संपर्क किया था। पीड़िता की मां की शिकायत के बाद बेंगलुरु पुलिस ने 14 मार्च 2024 को एक प्राथमिकी दर्ज की।

यह दूसरी बार है जब येदियुरप्पा ने अधीनस्थ अदालत के संज्ञान आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उनकी पूर्व याचिका को स्वीकार कर लिया गया तथा न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश को ''बिना सोचे-समझे'' जारी किया गया बताते हुए खारिज कर दिया था तथा अधीनस्थ अदालत को मामले पर नए सिरे से विचार करने का निर्देश दिया था। वर्तमान कार्यवाही के दौरान, न्यायमूर्ति एम आई अरुण की पीठ ने इस बात की समीक्षा की कि क्या अधीनस्थ अदालत ने दोबारा संज्ञान लेने से पहले मामले की सामग्री का उचित रूप से पुनर्मूल्यांकन किया था। येदियुरप्पा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सी वी नागेश ने तर्क दिया कि अदालत उपलब्ध साक्ष्यों का गहन आकलन करने में एक बार फिर विफल रही है।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।
–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।
–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वाहन किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब ! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब ! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

- विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

ट्रंप ने विज्ञापन के कारण कनाडा के साथ जारी व्यापार वार्ता रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी

- धोखाधड़ी का आरोप लगाया, और बढ़ा दोनों देशों के बीच तनाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शुल्क का विरोध करने वाले एक टेलीविजन विज्ञापन में तथ्यों को गलत तरीके से पेश किए जाने की वजह से वह कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं खत्म कर रहे हैं।

ट्रंप ने आरोप लगाया कि अमेरिका में अदालती फैसलों को प्रभावित करने के लिए यह टीवी विज्ञापन तैयार किया गया था। इसके पहले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका से इतर देशों को निर्यात दोगुना करने की योजना पेश की थी। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह घोषणा की। ट्रंप के फैसले से दोनों पड़ोसी देशों के बीच महीनों से चल रहा व्यापार तनाव और बढ़ सकता है।

ट्रंप ने कहा, कनाडा ने धोखाधड़ी से एक विज्ञापन तैयार किया है, जिसमें रोनाल्ड रीगन शुल्क के बारे में नकारात्मक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये फर्जी है। ट्रंप ने लिखा, यह विज्ञापन 75,000 अमेरिकी डॉलर का था। उन्होंने ऐसा सिर्फ अमेरिकी अदालतों के फैसलों में दखलअंदाजी के लिए किया। शुल्क अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। कनाडा इस बुरे व्यवहार के कारण उसके साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं समाप्त की जाती हैं।

हरियाणा में महंगाई भत्ता 58% बढ़ा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की।

सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर के एरियर का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

सोने-चांदी में गिरावट

वैश्विक दबाव का असर

हाल के दिनों में सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मजबूत होने, अमेरिकी बॉण्ड यील्ड के बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ने से कीमती धातुओं पर दबाव आया है। भारत जैसे बड़े उपभोक्ता देश में भी इसका असर घरेलू बाजार में देखने को मिला है। सोने की कीमत तय करने के नियम, सरकार की नीतियां और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक हालात मिलकर इस उतार-चढ़ाव को प्रभावित करते हैं। हाल ही में सरकार और नियामक संस्थानों ने सोने की कीमतों में पारदर्शिता लाने और निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए कुछ अहम कदम भी उठाए हैं।

वैश्विक स्थिति

विश्वभर में मंदी की आशंकाओं के कम होने, कच्चे तेल की स्थिरता और शेयर बाजारों में सुधार ने निवेशकों को सोने से दूर किया है। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित वृद्धि के संकेत ने डॉलर को मजबूत बनाया, जिससे सोने की मांग घटी।

कीमतों में अस्थिरता और निवेशकों का विश्वास

सोने और चांदी की कीमतें हमेशा से आर्थिक अस्थिरता और निवेशकों के विश्वास का पैमाना रही हैं। हाल में इनकी कीमतों में आई बड़ी गिरावट के पीछे कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं डॉलर की मजबूती, ब्याज दरों में वृद्धि, और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में सुधार। जब डॉलर मजबूत होता है, तो सोने की कीमत आमतौर पर गिरती है क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश से हटकर अन्य संपत्तियों में पूंजी लगाते हैं।

कीमत तय करने के नियम और संस्थान

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमत तय करने का कार्य मुख्यत: लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन करती है। यह संस्था प्रतिदिन दो बार 'गोल्ड फिक्सिंग' प्रक्रिया के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कीमतें निर्धारित करती है। भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की वायदा कीमतें अंतरराष्ट्रीय दरों और रुपये की विनिमय दर के आधार पर तय होती हैं।

सरकार और आरबीआई की भूमिका

भारतीय सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के आयात पर नीति बनाकर बाजार को नियंत्रित करते हैं। सोने पर आयात शुल्क, सीमा शुल्क और गोल्ड बॉन्ड जैसी योजनाएं कीमतों पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालती हैं। सरकार का मानना है कि अत्यधिक सोने का आयात चालू खाता घाटे को बढ़ाता है, इसलिए वह निवेशकों को वैकल्पिक निवेश जैसे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की ओर प्रेरित करती है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही।

- विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

बैंकों को अधिग्रहण के लिए फंड देने को मसौदा मानदंड जारी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों को भारतीय कंपनियों द्वारा अधिग्रहण के लिए फंड देने और आईपीओ तथा एफपीओ के माध्यम से शेयर खरीदने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले ऋण की राशि बढ़ाने की अनुमति देने के लिए मसौदा मानदंड जारी किए।

रिजर्व बैंक ने एक अप्रैल, 2026 से तर्कसंगत मानदंडों को लागू करने का प्रस्ताव दिया है। यह एक ऐसा कदम है, जो कंपनियों के लिए अधिक वित्त पोषण के रास्ते खोलेगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मसौदा 'भारतीय रिजर्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक - पूंजी बाजार ऋण) दिशानिर्देश, 2025' ऐसे ऋण को नियंत्रित करने वाले नियमों को तर्कसंगत और एकीकृत करने का प्रयास करता है।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

- गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

यूरोपीय संघ का उच्चस्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा

नई दिल्ली/बर्लिन, एजेंसी

- इसी साल के अंत तक पूरी करनी है व्यापार समझौते पर वार्ता

भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में बातचीत के लिए यूरोपीय संघ का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा। यह सात-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 27 से 29 अक्टूबर तक यहां रहेगा और व्यापार, आर्थिक और निवेश संबंधों पर चर्चा करेगा।

इस दल की अगुवाई क्रिस्टीना मेस्त्रे करेंगी। वह यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय व्यापार समिति की भारत के लिए स्थायी प्रतिनिधि हैं। इस दल में ब्रैंडो बेनिफेई भी शामिल हैं। मेस्त्रे और बेनिफेई ने एक संयुक्त बयान में कहा, इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और यूरोपीय संघ के बीच जारी गहन व्यापार वार्ताओं के बीच आपसी समझ को और बढ़ाना है। बयान के मुताबिक, यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब 2025 के अंत तक एफटीए पर बातचीत पूरी करने की समयसीमा में कुछ ही महीने रह गए हैं।

मेस्त्रे और बेनिफेई ने कहा, हमें उन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की उम्मीद है जिनमें दोनों पक्षों की साझा रुचि है, ताकि एक सार्थक द्विपक्षीय समझौते तक पहुंचा जा सके और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। इसी बीच वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को 'बर्लिन संवाद' में कहा कि यूरोपीय संघ द्वारा लागू किए गए कार्बन कर सहित कई नए नियमों से उसके व्यवसायों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यूरोपीय संघ ने कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली सीबीएएम और वनह्रास नियमन जैसे नियम लागू किए हैं, जिन पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। गोयल ने कहा, इन सभी नियमों से मुझे लगता है कि यूरोप के व्यवसायों को अस्तित्व संबंधी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहां का बुनियादी ढांचा महंगा होता जाएगा।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय-अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया।

दुनिया के बाजारों में चावल निर्यात बढ़ाएंगे

नई दिल्ली। एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा कि चावल का निर्यात अच्छी गति से बढ़ रहा है और देश 26 वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ाने की योजना बना रहा है, जिसमें फिलीपींस, इंडोनेशिया, ब्रिटेन और मैक्सिको शामिल हैं। सितंबर में चावल निर्यात 33.18 प्रतिशत बढ़कर 925 अरब डॉलर हो गया, और अप्रैल-सितंबर के दौरान 10 प्रतिशत बढ़कर 5.63 अरब डॉलर रहा। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) वाणिज्य मंत्रालय की एक इकाई है, जो कृषि निर्यात से संबंधित मुद्दों को संभालती है।

ऊंटों के सौदागर

राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में वार्षिक ऊंट मेला शुरू होने वाला है, व्यापारियों ने दूर-दूर से अपने ऊंट लेकर यहां पहुंचना शुरू कर दिया है। हर साल इस मेले में हजारों ऊंट खरीदे और बेचे जाते हैं। एजेंसी

एनपीएस-यूपीएस में केंद्रीय कर्मचारियों के लिए दो और निवेश विकल्प जोड़े गए

नई दिल्ली, एजेंसी

- कर्मचारियों की ओर से काफी समय से की जा रही थी मांग

सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए दो नए निवेश विकल्प 'लाइफ साइकल' और 'बैलेंस्ड लाइफ साइकल' को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले से केंद्र सरकार के कर्मचारियों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उनकी मांग थी कि उन्हें भी गैरसरकारी कर्मचारियों की तरह इन पेंशन योजनाओं में अधिक निवेश विकल्प दिए जाएं। वित्त मंत्रालय ने कहा कि ये विकल्प सेवानिवृत्ति योजना में लचीलापन बढ़ाने और कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप अपने सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने की अनुमति देने के लिए तैयार किए गए हैं।

एनपीएस और यूपीएस के तहत, केंद्र सरकार के कर्मचारी अब कई निवेश विकल्पों में से चुन सकते हैं। एक डिफ़ॉल्ट विकल्प है जो समय-समय पर पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा परिभाषित निवेश का 'डिफ़ॉल्ट पैटर्न' है। दूसरा विकल्प स्कीम-जी है जिसमें कम जोखिम, निश्चित रिटर्न के लिए 100 प्रतिशत निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में होगा।

- **लाइफ साइकल विकल्प :** इसके तहत अधिकतम इक्विटी आवंटन 25 प्रतिशत है, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है, जबकि एलसी-50 विकल्प में अधिकतम इक्विटी आवंटन सेवानिवृत्ति कोष के 50 प्रतिशत तक सीमित है।
- **बैलेंड लाइफ साइकल विकल्प :** एलसी50 का ही संशोधित संस्करण है, जिसमें इक्विटी आवंटन 45 वर्ष की आयु से कम होता जाता है ताकि कर्मचारी लंबी अवधि के लिए इक्विटी में निवेश कर सकें। वहीं एलसी75 विकल्प में अधिकतम इक्विटी आवंटन 75 प्रतिशत है, जो 35 वर्ष की आयु से 55 वर्ष की आयु तक धीरे-धीरे कम होता जाता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे मजबूत

मुंबई। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के संदर्भ में आशावादी रुख और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से शुक्रवार को रुपया अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 87.83 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के मुताबिक, एफआईआई की बाजार से निकासी, विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर धारणा ने रुपये में आने वाली भारी तेजी को सीमित कर दिया।

रूसी तेल पर प्रतिबंध के बावजूद रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और यूरोपीय संघ के रूसी कंपनियों से तेल खरीदने पर लगाये गये प्रतिबंधों के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि उसके कच्चे तेल की खरीद के स्रोतों में विविधता है, और उम्मीद जताई कि वह अपने रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगी।

- रिलायंस ने कहा- फिलहाल कर रहे हैं नई शर्तों का आकलन

कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि बाजार और नियामक परिस्थितियों में बदलाव के अनुरूप आपूर्ति अनुबंधों में बदलाव किए जाते हैं। रिलायंस को विश्वास है कि समय की कसौटी पर कसे, कच्चे तेल के स्रोत में विविधता की रणनीति से उसके रिफाइनरी ऑपरेशन में स्थिरता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी और कंपनी यूरोप सहित सभी घरेलू और निर्यात जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगी।

अमेरिका ने गुरुवार को रूस की दो कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूरोपीय यूनियन ने भी गुरुवार को ही रूसी कंपनी रोजनेफ्ट और गेजप्रोम नेफ्ट पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा की थी। साथ ही उसने रूस से कच्चा तेल खरीद कर यूरोप में पेट्रोलियम उत्पाद बेचने वाली तीसरे देश की कंपनियों पर भी प्रतिबंधों की घोषणा की। इनमें रिलायंस समेत तीन भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं।

इससे पहले, ब्रिटेन ने भी रूस से तेल की खरीद पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीद पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। उसके बाद से हाल के दिनों में रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस से तेल खरीदने वाली प्रमुख कंपनी रही है। रिलायंस के प्रवक्ता ने कहा है कि वह फिलहाल इन प्रतिबंधों की नई शर्तों के प्रभावों का आकलन कर रही है।

भारत की गर्जना...

अहमदाबाद। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है। हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा। अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी।

भारत के समक्ष मुश्किलें

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है। भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे। इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया। 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया। जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया। घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली। दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए। सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है। जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है। जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

दक्षिण कोरिया में ट्रंप और जिनपिंग की होगी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वार को देखते हुए दोनों की मुलाकात मानी जा रही महत्वपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते एशिया यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक) में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया रवाना होंगे, जहां वह इस सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मुलाकात ऐसे समय में होने वाली है जब दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते ही नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इधर चीन ने भी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने हालांकि कुछ हफ़्ते पहले कहा था कि वह एपेक शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मिलेंगे, लेकिन उन्होंने सटीक तारीख के बारे में नहीं बताया था।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों पर चीन के प्रतिबंधों को लेकर उनके मुलाकात के रद्द होने की संभावना भी जताई जा रही थी।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था। मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

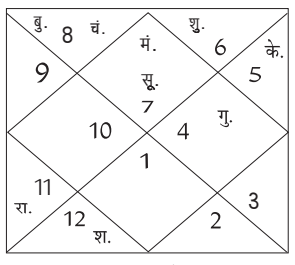

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें। खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी। विवादों को सुलझा सकते हैं। घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें। अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण अनुशासित रहेगा।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें। उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें। आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे। उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी। आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें। भविष्य की योजना न बनाएं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं। भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है। आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। लोग आपको धोखा दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें। सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे। आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी। परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी। पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है। अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे। बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं। व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की शृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या शृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की शृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शारदुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे शृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे शृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान शृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।